www.bharatsamvad.in

R.N.I.No- UPHIN/2009/30939

सत्य का स्वर

भारत संवाद

प्रयागराज, लखनऊ तथा मुम्बई से एक साथ प्रकाशित

मौसम

अधिकतम तापमान 39.c

30.c न्यूनतम तापमान

बाजार

सोना 101.700g

चांदी 106.000 kg

ऐप में पढ़े E-PAPER भारत संवाद

Scan for E-Paper or Search on Play store Bharat Samvad E-Paper

2 संवाद के साथ सतर्कता भी आवश्यक, सीमा विवाद के बाद पहली अहम मुलाकात

अमेरिकी कोर्ट ने ट्रम्प के ज्यादातर टैरिफ को गैर-कानूनी बताया 06

वर्ष :17 | अंक :151 | प्रयागराज , रविवार , 31 अगस्त , 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 1: 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

मिजोरम में 165 करोड़ रुपये मूल्य की मेथामफेटामीन गोलियां जब्त, पांच गिरफ्तार

सुरक्षा बलों ने मिजोरम के विभिन्न हिस्सों से 165 करोड़ रुपये मूल्य की मेथामफेटामीन (एक प्रकार की नशीली दवा) गोलियां जब्त कीं और पांच लोगों को गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) के साथ एक विशेष संयुक्त अभियान में सीमा पार मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ बड़ी सफलता हासिल की और सेरछिप जिले से 144 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की 9.6 लाख मेथामफेटामीन (याबा) गोलियां जब्त कीं। मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों के अनुसार एक गुप्त सूचना के आधार पर बल और एनसीबी अधिकारियों की टीम ने संयुक्त अभियान चलाया और बृहस्पतिवार को सेरछिप शहर के नजदीक एक पिकअप ट्रक को रोका। टीम ने वाहन से 144 करोड़ रुपये मूल्य की 9.6 लाख मेथामफेटामीन गोलियां बरामद कीं और प्रतिबंधित सामग्री रखने के आरोप में आइजोल के तीन निवासियों को गिरफ्तार किया।

इटावा में विद्युत करंट की चपेट में आने से एक युवक की मौत

इटावा जिले के इकदिल थानाक्षेत्र में कूलर में विद्युत करंट आ जाने से उसकी चपेट में आने की वजह से एक युवक की मौत हो गई। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। इकदिल के थाना प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) विक्रम सिंह चौहान ने बताया कि उधन्नपुरा गांव में घर के अंदर रखे कूलर में विद्युत करंट उतरने से उसकी चपेट में आने से कमलेश कुमार उर्फ कन्हैया (23) छटपटाने लगा। उन्होंने बताया कि परिजनों ने करंट की चपेट में आने के बाद कन्हैया को अस्पताल लेकर पहुंचे लेकिन चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए ले गयी।

अवध में भाजपा हारी, अब मगध में भी हारेगी

राहुल की मतदाता अधिकार यात्रा में शामिल हुए अखिलेश

मतदाता अधिकार यात्रा

अखिलेश यादव ने बिहार में राहुल गांधी और तेजस्वी यादव के साथ 'मतदाता अधिकार यात्रा' में शामिल होकर भाजपा को आड़े हाथों लिया और अवध के बाद मगध में भी उनकी हार की भविष्यवाणी की। उन्होंने बिहार की जनता के समर्थन का आभार व्यक्त करते हुए चुनाव आयोग की 'एसआईआर' प्रक्रिया पर सवाल उठाए और उस पर 'वोट चोरी' तथा अनियमितताओं का आरोप लगाया, जिससे चुनावी पारदर्शिता पर बहस छिड़ गई है।

एजेंसी

बिहार। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव शनिवार को बिहार के सारण में मतदाता अधिकार यात्रा के अंतिम चरण में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और राजद नेता तेजस्वी यादव के साथ शामिल हुए। उन्होंने कहा कि अवध की जनता ने बीजेपी को हटाया है, हमें उम्मीद है कि मगध के लोग भी भारतीय जनता पार्टी को हटाएंगे। उन्होंने कहा कि यूपी, बिहार के लोग पलायन कर रहे हैं। तेजस्वी जी ने यहां लाखों लाख नौकरी दी। बिहार की जनता को उनपर भरोसा है, अब बीजेपी का बिहार से पलायन होने जा रहा है। सपा प्रमुख ने कहा कि आपने हमारे यूपी के मुख्यमंत्री को नहीं सुना क्या कभी यह भारतीय जनता पार्टी हर एक का अपमान करती है। उन्होंने कहा कि मैं धन्यवाद देना चाहता हूं बिहार की जनता को कि वोटर अधिकार यात्रा को समर्थन दिया। भारतीय जनता पार्टी बिहार से बाहर होने जा रही है। सही मायने में यहां की जनता रकफ करने वाली है चुनाव आयोग का। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में लोकतंत्र की रक्षा के इस ऐतिहासिक आंदोलन में उनका स्वागत किया। वेणुगोपाल ने एक्स पर पोस्ट किया कि आज सुबह, उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव जी सारण में मतदाता अधिकार यात्रा में शामिल हुए! लोकतंत्र की रक्षा के इस ऐतिहासिक आंदोलन में उनका स्वागत है। वह भाजपा द्वारा लोकतंत्र के विनाश के खिलाफ हमारी लड़ाई में एक दृढ़ सहयोगी और उत्तर प्रदेश तथा देश भर में गरीबों और वंचितों की एक मजबूत आवाज रहे हैं। आज इंडिया ब्लॉक की 'मतदाता अधिकार यात्रा' का दूसरा आखिरी दिन है।

बीजेपी कार्यकर्ता आरा में दिखा रहे थे काला कपड़ा, राहुल गांधी पास बुलाकर देने लगे टॉफी

महागठबंधन की 'मतदाता अधिकार यात्रा' से बीजेपी -एनडीए की नींद उड़ी, तेजस्वी का दावा

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव ने शनिवार को भाजपा नीत राजग पर तीखा हमला बोलते हुए दावा किया कि चल रही 'मतदाता अधिकार यात्रा' ने सत्तारूढ़ गठबंधन को हिलाकर रख दिया है। एएनआई से बात करते हुए, यादव ने दावा किया कि राजग चाहे कितनी भी कोशिश कर ले, वह बिहार में सत्ता हासिल नहीं कर पाएगा। उन्होंने कहा कि भाजपा डरी हुई है और इस ऐतिहासिक यात्रा की वजह से राजग बहुत बेचैन हो गया है। वे अपनी तरफ से हरसंभव कोशिश कर रहे हैं और हमारी हर चीज पर नजर है।

बेगूसराय में भाजपा और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच झड़प

राहुल गांधी-तेजस्वी यादव का पुतला जला रहे थे, कांग्रेसियों ने भी शुरू कर दिया बवाल

बेगूसराय, भाजपा और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच बवाल हो गया। विधायक कुंदन कुमार के नेतृत्व भाजपा के कार्यकर्ता लोहिया नगर स्थित कांग्रेस भवन के बाहर पहुंचे और वहां राहुल गांधी और तेजस्वी यादव का पुतला जलाकर नारेबाजी करने लगे। जिसके बाद कांग्रेस भवन से बड़ी संख्या में कार्यकर्ता झंडा लगा डंडा लेकर निकले और भाजपा कार्यकर्ताओं से बहस करने लगे। दोनों ओर से 200 से भी अधिक कार्यकर्ता मौजूद थे। करीब आधे घंटे तक कांग्रेस भवन का इलाका रणक्षेत्र में तब्दील हो गया। बाद में किसी तरह से मामला शांत कराया गया। मामला मां-बहन को गाली देने की आजादी नहीं है बेगूसराय के भाजपा विधायक कुंदन कुमार ने कहा कि कोई भी नेता है।

प्रधानमंत्री मोदी पहुंचे चीन, एयरपोर्ट पर हुआ भव्य स्वागत

एससीओ समिट में लेंगे हिस्सा, पीएम मोदी की चीन यात्रा राष्ट्रपति शी जिनपिंग के निमंत्रण पर हो रही है

एससीओ के बारे में उन्होंने कहा भारत एससीओ का सक्रिय और रचनात्मक सदस्य है। अपनी अध्यक्षता के दौरान, हमने नवाचार, स्वास्थ्य और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के क्षेत्रों में नए विचार रखे हैं और सहयोग की पहल की है।

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को जापान का दौरा करने के बाद अब चीन पहुंच चुके हैं। जहां तियानजिन एयपोर्ट पर उनका भव्य स्वागत किया गया। पीएम मोदी रविवार को तियानजिन शहर में शंघाई सहयोग संगठन समिट में हिस्सा लेंगे। पीएम मोदी की चीन यात्रा राष्ट्रपति शी जिनपिंग के निमंत्रण पर हो रही है। 7 सालों बाद एक बार पीएम मोदी चीन की धरती पर पहुंचे हुए हैं। प्रधानमंत्री का ये दौरा अहम इसलिए माना जा रहा है क्योंकि इससे भारत-चीन संबंधों पर जमी बर्फ पिघलेगी। इस दौरान पीएम मोदी राष्ट्रपति शी जिनपिंग, रूस के राष्ट्रपति पुतिन और अन्य नेताओं से भी मुलाकात करेंगे। उन्होंने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, चीन के तियांजिन पहुंच गया हूं। एससीओ शिखर सम्मेलन में चर्चा और विभिन्न वैश्विक नेताओं के साथ मिलने के लिए उत्सुक हूं। मोदी की पिछले सात वर्षों में यह पहली चीन यात्रा और राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ पिछले एक वर्ष में दूसरी मुलाकात होगी। उन्होंने कहा कि भारत साझा चुनौतियों का समाधान करने और क्षेत्रीय सहयोग को मजबूत करने के लिए एससीओ सदस्यों के साथ काम करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने विश्वास जताया कि उनकी यात्रा भारत के राष्ट्रीय हितों और प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाएगी। उन्होंने कहा, मुझे विश्वास है कि जापान और चीन की मेरी यात्राएँ हमारे राष्ट्रीय हितों और प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाएँगी।

भारतीय प्रवासियों ने वंदे मातरम के नारे लगाए

प्रधानमंत्री के तियानजिन के एक होटल में पहुंचने पर भारतीय समुदाय के लोगों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। भारतीय प्रवासियों ने 'भारत माता की जय' और 'वंदे मातरम' के नारे लगाए। वहीं चीनी कलाकारों ने पीएम मोदी के सामने भारतीय शास्त्रीय संगीत और डांस का प्रदर्शन किया। ये कलाकार कई सालों से भारतीय शास्त्रीय संगीत और नृत्य सीख रहे हैं।

शस्त्र और शास्त्र के समन्वय से ही राष्ट्र बनेगा शक्तिशाली : सीएम योगी

ऑपरेशन सिंदूर ने दुनिया को भारत के सामर्थ का एहसास कराया- सीएम योगी

रक्षा मंत्री और सीएम योगी ने गौतमबुद्ध नगर में रक्षा उपकरण एवं ड्रोन निर्माण इकाई किया लोकार्पण. रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ब्रह्मोस मिसाइल का केंद्र लखनऊ में बनाया है- मुख्यमंत्री. रक्षा उपकरणों के लिए पहले हमे दुनिया पर निर्भर रहना पड़ता था, अब ऐसा नहीं होगा- मुख्यमंत्री.

एजेंसी

गौतमबुद्ध नगर । रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को गौतमबुद्ध नगर में रक्षा उपकरण एवं ड्रोन निर्माण इकाई, एयरक्राफ्ट इंजन और डिफेंस एयरोस्पेस टेस्ट फेसिलिटी का लोकार्पण किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि शस्त्र और शास्त्र के समन्वय से ही राष्ट्र मजबूत होता है और यूपी रक्षा उत्पादन में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि यह नोएडा को डिफेंस हब के रूप में स्थापित करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा, जो राष्ट्रीय सुरक्षा को नई ऊंचाई देगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज की बढ़ती हुई चुनौतियों को देखते हुए रक्षा क्षेत्र में इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर का सामना करने के लिए अत्याधुनिक ड्रोन निर्माण के साथ एयरक्राफ्ट इंजन एंड डिफेंस एयरोस्पेस टेस्ट फेसिलिटी विकसित की गई है। पहले हमें दुनिया पर निर्भर रहना पड़ता था।

- यूपी रक्षा उत्पादन में अग्रणी भूमिका निभा रहा है- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ
- लखनऊ की मुस्कुराहट तब तक अधूरी थी, जब तक मिसाइल की गूंज दुश्मन के कानों तक नहीं पहुंची- सीएम योगी

रक्षा उपकरण एवं ड्रोन निर्माण इकाई का हुआ उद्घाटन

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रक्षा उपकरण एवं ड्रोन निर्माण इकाई का उद्घाटन किया, जहां अत्याधुनिक ड्रोन और इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सिस्टम का प्रदर्शन किया गया। इसके बाद एयरक्राफ्ट इंजन और डिफेंस एयरोस्पेस टेस्ट फेसिलिटी का लोकार्पण हुआ, जो रक्षा क्षेत्र में परीक्षण और विकास के लिए महत्वपूर्ण है। दोनों ने ड्रोन प्रदर्शनी का दौरा किया, जहां विभिन्न प्रकार के ड्रोन के मॉडल और उनकी क्षमताओं का प्रदर्शन किया गया। इस दौरान सीडीएस जनरल अनिल चौहान, रक्षा सचिव राजेश कुमार, रक्षा उत्पादन सचिव संजीव कुमार, सांसद महेश शर्मा समेत कई जनप्रतिनिधि व रक्षा विभाग के अधिकारीगण मौजूद रहे।

उत्तराखंड में बादल फटने और भूस्खलन से पांच लोगों की मौत

बारिश से तबाह हुए कई स्थानों पर मलबे में फंसे लोगों की तलाश शुरू

अधिकारियों ने बताया, शुक्रवार तड़के उत्तराखंड के विभिन्न जिलों में भारी बारिश और बादल फटने की घटनाओं ने तबाही मचा दी, जिससे भूस्खलन हुआ और लगभग 30-40 परिवार मलबे के ढेर में दब गए और घर क्षतिग्रस्त हो गए।

एजेंसी

उत्तराखंड। अधिकारियों ने बताया, शुक्रवार तड़के उत्तराखंड के विभिन्न जिलों में भारी बारिश और बादल फटने की घटनाओं ने तबाही मचा दी, जिससे भूस्खलन हुआ और लगभग 30-40 परिवार मलबे के ढेर में दब गए और घर क्षतिग्रस्त हो गए। चमोली, रुद्रप्रयाग, टिहरी और बागेश्वर जिलों में इस प्राकृतिक आपदा का सबसे ज्यादा असर पड़ा, जो 23 अगस्त को थराली आपदा के तुरंत बाद आई। इस मानसून के मौसम में उत्तराखंड प्राकृतिक आपदाओं से बुरी तरह प्रभावित हुआ है। चमोली के थराली में आई आपदा से पहले, 5 अगस्त को उत्तरकाशी जिले में खीर गंगा नदी में आई विनाशकारी बाढ़ ने धराली का लगभग आधा हिस्सा तबाह कर दिया था।

धनखड़ ने राजस्थान के बतौर पूर्व कांग्रेस विधायक पेंशन मांगी

40 दिन मौन रहे पूर्व उपराष्ट्रपति सक्रिय हुए, अब 3 पेंशन मिलेगी

धनखड़ को पूर्व उपराष्ट्रपति, पूर्व सांसद, पूर्व विधायक की पेंशन मिलेगी

जगदीप धनखड़ को तीन तरह (पूर्व उपराष्ट्रपति, पूर्व सांसद, पूर्व विधायक) की पेंशन मिलेगी। पूर्व राज्यपाल को पेंशन नहीं मिलती है। इसलिए धनखड़ को भी पूर्व राज्यपाल की हैसियत से पेंशन नहीं मिलेगी।

एजेंसी

जयपुर , पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने अब पूर्व विधायक के नाते मिलने वाली पेंशन के लिए राजस्थान विधानसभा सचिवालय में फिर से आवेदन किया है। धनखड़ 1993 से 1998 तक किशनगढ़ सीट से कांग्रेस के विधायक रहे थे। पूर्व विधायक के तौर पर उन्हें जुलाई 2019 तक पेंशन मिल रही थी। जुलाई 2019 में पश्चिम बंगाल के राज्यपाल बनने के बाद पेंशन बंद हो गई थी। अब उपराष्ट्रपति पद से हटने के बाद उन्होंने पूर्व विधायक के नाते फिर से आवेदन किया है।

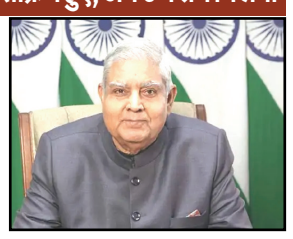

दुनिया में स्थायी दोस्त या दुश्मन नहीं, सिर्फ स्थायी हित

राजनाथ सिंह का अमेरिकी दबाव पर बेबाक जवाब, भारत रहेगा अडिग

एजेंसी

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को कहा कि दुनिया में कोई स्थायी दोस्त या दुश्मन नहीं होता, बल्कि स्थायी हित होते हैं। यह बात उन्होंने डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ को लेकर भारत-अमेरिका तनाव और हाल के महीनों में चीन के साथ सुधरते संबंधों के बीच कही। ट्रंप द्वारा नई दिल्ली पर 50% टैरिफ लगाने का स्पष्ट संदर्भ देते हुए, राजनाथ ने कहा कि भारत की नीति, रणनीति और आत्मनिर्भरता अडिग रहेगी और देश किसी भी वैश्विक दबाव के बावजूद और भी मजबूती से उभरता रहेगा। राजनाथ ने जोर देकर कहा कि भारत के किसानों और छोटे व्यापारियों के हित नरेंद्र मोदी सरकार के लिए सर्वोपरि हैं और सरकार इस पर कोई समझौता नहीं करेगी। एनडीटीवी डिफेंस समिट 2025 को संबोधित करते हुए राजनाथ ने कहा कि कोई स्थायी दोस्त या दुश्मन नहीं होता, केवल स्थायी हित होते हैं। भारत किसी को अपना दुश्मन नहीं मानता। हमारे किसानों और उद्यमियों का हित हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण है। भारत किसी को अपना दुश्मन नहीं मानता। हम किसी भी कीमत पर अपने देश के कल्याण से समझौता नहीं कर सकते। चाहे कितना भी दबाव क्यों न डाला जाए, भारत अपने किसानों, छोटे व्यापारियों, दुकानदारों, पशुपालकों और आम नागरिकों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देता रहेगा। रक्षा मंत्री ने आगे कहा, हम सभी भूगोल में पढ़ते हैं कि जितना ज्यादा दबाव डाला जाता है, चट्टान उतनी ही मजबूत होती जाती है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ट्रंप के टैरिफ पर दो टूक जवाब देते हुए कहा कि भारत वैश्विक दबाव के बावजूद अपने राष्ट्रीय हितों, खासकर किसानों और छोटे व्यापारियों के कल्याण से समझौता नहीं करेगा। उन्होंने जोर दिया कि 'आत्मनिर्भर भारत' रणनीति के तहत देश किसी भी चुनौती से मजबूत होकर उभरेगा, क्योंकि केवल स्थायी हित होते हैं, स्थायी दोस्त या दुश्मन नहीं।

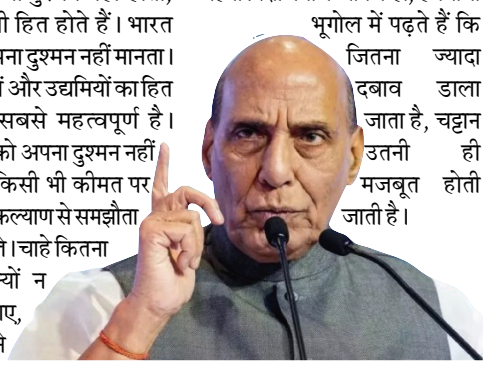

बिहार में निबंधित किरायानामा के प्रति बढ़ रही जागरूकता

एजेंसी

विभागीय अधिकारी के मुताबिक, किरायानामा सभी तरह के आवासीय, व्यावसायिक या औद्योगिक भवनों के लिए किया जाता है। हालांकि, प्रदेश में आवासीय भवनों की तुलना में व्यावसायिक भवनों का किरायानामा अधिक होता है। बिहार में किरायानामा निबंधन को लेकर लोगों में जागरूकता बढ़ रही है। मकान मालिक और किरायेदार के बीच कानूनी समझौते के लिए यह जरूरी है। मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग के अनुसार, वर्ष 2018 से 2025 तक 4 हजार 811 लोगों ने किरायानामा निबंधित कराया है।

सवाल सेवानिवृत्त न्यायाधीशों की मंशा पर उठाया सवाल

शाह के खिलाफ हस्ताक्षर अभियान पर रिजिजू का वार

एजेंसी

नयी दिल्ली। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने शनिवार को उन सेवानिवृत्त न्यायाधीशों की आलोचना की जिन्होंने 2011 के सलवा जुडूम फैसले को लेकर विपक्ष के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी के खिलाफ केंद्रीय मंत्री अमित शाह की टिप्पणी पर आपत्ति जताई थी। बेंगलुरु में पत्रकारों से बात करते हुए, रिजिजू ने सेवानिवृत्त न्यायाधीशों पर गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ ₹हस्ताक्षर अभियान₹ चलाने का आरोप लगाया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उपराष्ट्रपति चुनाव प्रक्रिया चल रही है। कुछ दिन पहले, कुछ सेवानिवृत्त न्यायाधीशों ने एक हस्ताक्षर अभियान चलाया और गृह मंत्री के खिलाफ टिप्पणियां कीं। उन्होंने गृह मंत्री के खिलाफ लिखा है। यह सही नहीं है... यह उपराष्ट्रपति का चुनाव है। सेवानिवृत्त न्यायाधीश इसमें क्यों पड़ना चाहते हैं? इससे ऐसा लगता है कि जब वे (कार्यरत) न्यायाधीश थे, तो उनकी विचारधारा अलग रही होगी। अन्यथा, गृह मंत्री के खिलाफ पत्र लिखना और हस्ताक्षर अभियान चलाना सही नहीं है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा कथित वामपंथी समर्थक को अपना उम्मीदवार बनाने के लिए विपक्ष की आलोचना के बाद, सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति बी सुदर्शन रेड्डी के समर्थन में आए। जुलाई 2011 के फैसले, जिसे न्यायमूर्ति रेड्डी ने न्यायमूर्ति एसएस निज्जर के साथ मिलकर लिखा था, ने छत्तीसगढ़ के बस्तर में सलवा जुडूम को अवैध और असंवैधानिक बताते हुए उसे भंग कर दिया था। इससे पहले शुक्रवार को, भारत के 23वें विधि आयोग के सदस्य हितेश जैन ने सर्वोच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीशों की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि उनमें से कुछ खुलेआम राजनीतिक कार्यकर्ताओं की तरह व्यवहार कर रहे हैं। उन्होंने सलवा जुडूम मामले में अपने फैसले को लेकर उठे विवाद में विपक्ष के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार न्यायमूर्ति सुदर्शन रेड्डी का बचाव करने के लिए सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति अभय एस ओका की भी आलोचना की। हितेश जैन ने एक पोस्ट शेयर करते हुए जस्टिस अभय ओका, मदन बी लोकुर, एस मुरलीधर और संजीब बनर्जी की टिप्पणियों पर चिंता जताई और पक्षपातपूर्ण व्यवहार का आरोप लगाया।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उपराष्ट्रपति चुनाव प्रक्रिया चल रही है। कुछ दिन पहले, कुछ सेवानिवृत्त न्यायाधीशों ने एक हस्ताक्षर अभियान चलाया और गृह मंत्री के खिलाफ टिप्पणियां कीं। उन्होंने गृह मंत्री के खिलाफ लिखा है।

अमित शाह का गला काटकर मेज पर रख देने मोइत्रा के बयान पर भाजपा सांसद संतोष पाण्डेय का तीखा पलटवार

भाजपा के मुख्य प्रदेश प्रवक्ता पाण्डेय ने कहा, तेरा मेरा रिश्ता क्या, सर तन से जुदा, सर तन से जुदा; कांग्रेस-टीएमसी का रिश्ता क्या, सर तन से जुदा, सर तन से जुदा। राजस्थान में इन्होंने कन्हैया और महाराष्ट्र में कोल्हे का गला उतारा आज देश के गृह मंत्री अमित शाह के लिए भड़काना निंदनीय है और दण्डनीय भी।

एजेंसी

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के मुख्य प्रदेश प्रवक्ता और सांसद संतोष पाण्डेय ने तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा की उस टिप्पणी को अति निन्दनीय औकर दण्डनीय माना है जिसमें मोइत्रा ने केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह का सिर काटकर पीएम की मेज पर रख देने की बात कही है। संतोष पाण्डेय ने कहा कि स्वस्थ लोकतंत्र में अभद्रता और हिंसक वृत्ति का कोई स्थान नहीं है लेकिन कांग्रेस और उसके सहयोगी दल देश में अराजकता फैलाने के अपने टूलकिट एजेंडे पर अमल कर रहे हैं और बिहार में राहुल गांधी की सभा के मंच से प्रधानमंत्री व उनकी स्वर्गस्थ माताजी के लिए अश्लील टिप्पणी के बाद टीएमसी सांसद मोइत्रा ने यह कहकर विपक्ष की कलुषित मानसिकता का परिचय दिया है। भाजपा के मुख्य प्रदेश प्रवक्ता पाण्डेय ने कहा, तेरा मेरा रिश्ता क्या, सर तन से जुदा, सर तन से जुदा; कांग्रेस-टीएमसी का रिश्ता क्या, सर तन से जुदा, सर तन से जुदा। राजस्थान में इन्होंने कन्हैया और महाराष्ट्र में कोल्हे का गला उतारा आज देश के गृह मंत्री अमित शाह के लिए भड़काना निंदनीय है और दण्डनीय भी। मोइत्रा का यह बयान बेहद आपत्तिजनक और लोकतांत्रिक संवाद का घोर अपमान है।

सम्पादकीय

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के शताब्दी संदेश से बहुत कुछ प्रेरणा ले सकती है भाजपा

ऐसे में स्पष्ट है कि भागवत का कथन सिर्फ शब्दों का खेल नहीं है, बल्कि संघ की मूल वैचारिक धारा की वह सहज और सरल अभिव्यक्ति है, जो देश में सत्तासीन बीजेपी नीत एनडीए सरकार के लिए एक माकूल दिशा का निर्धारण भी करता है। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत जब भी कुछ बोलते हैं उसे बिना कुछ सोचे समझे देश की सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी से संबंधित मान लिया जाता रहा है। ऐसे में इस बार भी उन्होंने विज्ञान भवन में जो कुछ कहा है, उसे बीजेपी से ही जोड़कर देखा ही जाएगा। सर्वप्रथम, उनका यह कहना महत्वपूर्ण है कि हिंदू राष्ट्र का सत्ता से कोई लेना-देना नहीं', बल्कि इसके बड़े मायने हैं। ऐसे समय में जब देश में हिंदूवादी राजनीति अपने शिखर पर है, मोहन भागवत द्वारा दिया गया यह भाषण बेहद महत्वपूर्ण हो जाता है। वाकई जब वे कहते हैं कि हिंदू राष्ट्र शब्द का सत्ता से कोई मतलब नहीं है, तो इसके गहरे सियासी निहितार्थ हैं। क्योंकि प्रायः भाजपा सरकार पर विपक्ष लगातार आरोप लगाता रहा है कि वह इस विचारधारा को सत्ता पाने और उसमें बने रहने के औजार के रूप में इस्तेमाल करती है। कहना न होगा कि संघ बीजेपी को समय समय पर वैचारिक खुराक व प्रबुद्ध दिशानिर्देश देता रहा है। यही वजह है कि अपने तमाम मतभेदों के बावजूद संघ और बीजेपी एक बिंदु पर जाकर एक हो जाते हैं। ऐसे में स्पष्ट है कि भागवत का कथन सिर्फ शब्दों का खेल नहीं है, बल्कि संघ की मूल वैचारिक धारा की वह सहज और सरल अभिव्यक्ति है, जो देश में सत्तासीन बीजेपी नीत एनडीए सरकार के लिए एक माकूल दिशा का निर्धारण भी करता है। ऐसे में सीधा सवाल यह है कि संघ प्रमुख के इस बयान के मायने क्या हैं ? क्या यह सीधे-सीधे वक्त-वेवक्त लीक से भटकती दिखाई देतीबीजेपी नेताओं को संदेश देता है ? यूँ तो 21वीं सदी के महान किंगमेकर मोहन भागवत समय समय पर नीतिगत बातें स्पष्ट करते रहते हैं। ऐसे में उनका यह ताजा बयान भी ऐसे समय पर आया है जब इंडिया गठबंधन रूपी बिखरा विपक्ष भाजपा पर निरंतर यह आरोप मढ रहा है कि वह बहुसंख्यकवाद और ध्रुवीकरण को बढ़ावा दे रही है। इस बात में कोई दो राय नहीं कि उनकी दूरदर्शिता के बदौलत ही भाजपा लगातार तीसरी बार केंद्र में सत्तासीन है। इसके अलावा कई अन्य राज्यों में भी उसके हाथ में सूबाई सत्ता की ताकत है। लिहाजा, संघ प्रमुख का यह कहना कि हिंदू राष्ट्र का अर्थ सत्ता से नहीं है, एक राजनीतिक संतुलन साधने की कवायद के रूप में भी देखा जा सकता है। इससे स्पष्ट होता है कि संघ अब बीजेपी को हिंदू राष्ट्र के मुद्दे को थोड़ा नरम करके चलने का संकेत देना चाहता हो। चूंकि परिवर्तन सृष्टि का शाश्वत नियम है। इसलिए संघ की सोच-समझ में समयानुसार नीतिगत सुधार अपेक्षित है।

आज का विचार

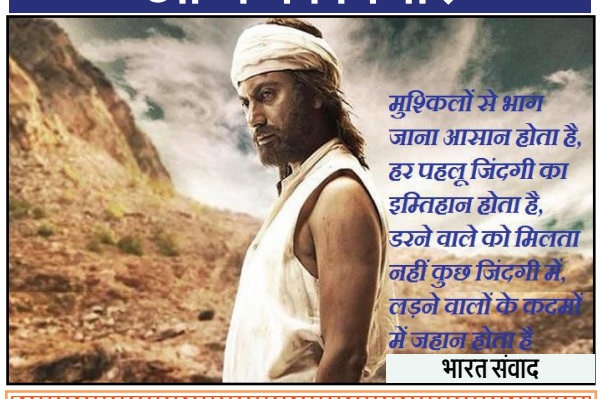

राशिफल

मेष राशि : कार्यस्थल पर आपको किसी अधीनस्थ कर्मचारी के चलते किसी समस्या का सामना करना पड़ सकता है। जिसके चलते, तनाव बढ़ने की भी संभावना है। वहीं, आर्थिक मामलों में भी आपको सावधान रहना होगा, अन्यथा धन की हानि हो सकती है। ऐसे में कोई भी फैसला जल्दबाजी में न लें। हालांकि, ससुराल पक्ष से सहयोग मिल सकता है

वृषभ राशि : राजनीतिक क्षेत्र में आपका दिन लाभदायक सिद्ध हो सकता है और कुछ अनुभवी लोगों का सहयोग भी मिलेगा। कार्यक्षेत्र में लंबे समय से प्रोजेक्ट पर किए गए प्रयास अब सफल हो सकते हैं, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। वहीं, व्यापार में भी सोच-समझकर लिए गए निर्णयों से लाभ मिल सकता है

मिथुन राशि : व्यवसाय के क्षेत्र में दिन उत्तम रहने वाला है और आपको लाभ कमाने के सुनहरे अवसर प्राप्त हो सकते हैं। साथ ही, कार्यक्षेत्र में सम्मान और प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। इसी के चलते आपको संतोष मिलेगा और समाज में भी मान-सम्मान बढ़ेगा।

कर्क राशि : आर्थिक मामलों में दिन शुभ रहने वाला है और लाभ कमाने के सुनहरे अवसर मिलेंगे। इसी के चलते धन वृद्धि के संयोग बनेंगे जिससे आर्थिक स्थिति मजबूत होती जाएगी। वहीं, समाज और कार्यक्षेत्र में आपका मान-सम्मान भी बढ़ेगा। शिक्षा के क्षेत्र में विद्यार्थियों द्वारा की गई मेहनत रंग लगाएगी।

सिंह राशि : कार्यक्षेत्र में आपका प्रभाव बढ़ेगा और लोग आपकी राय को गंभीरता से लेंगे। नौकरी और व्यापार के मामले में भी आप सफलता की दिशा में आगे बढ़ते जाएंगे। ऐसे में आपके मान-सम्मान में वृद्धि होगी और कोई विशेष उपहार भी प्राप्त हो सकता है।

कन्या राशि : आर्थिक मामलों में दिन अच्छा रहने वाला है और आपको निवेशों से अच्छा लाभ प्राप्त हो सकता है। इसी के चलते धन लाभ के योग भी बनेंगे। समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा और व्यवसाय के क्षेत्र में आप सफलता के मार्ग पर आगे बढ़ते जाएंगे। लेकिन अनावश्यक चीजों पर धन खर्च करने से बचना होगा

तुला राशि: राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को लाभ कमाने के अवसर मिल सकते हैं और किए गए प्रयासों से भी शुभ परिणाम प्राप्त होंगे। वहीं, आपको शासन सत्ता का सहयोग भी मिल सकता है। समाज में मान-सम्मान में वृद्धि होगी और कार्यस्थल पर प्रमोशन मिलने के भी योग हैं।

वृश्चिक राशि : कार्यक्षेत्र में अगर आपका काम या प्रोजेक्ट लंबे समय से बीच में रुका हुआ था, तो अब वह पूरा हो सकता है। इसी के चलते तनाव भी कम होगा। राजनीतिक क्षेत्र में शासन सत्ता का सहयोग मिल सकता है, जिससे सफलता के मार्ग पर आगे बढ़ेंगे।

धनु राशि : आर्थिक मामलों में दिन बेहतरीन रहने वाला है और आपको सफलता प्राप्त हो सकती है। लेकिन विपरीत परिस्थिति उत्पन्न होने पर आपको मधुर वाणी का प्रयोग करना होगा। ऐसा करने से मान-सम्मान और प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी, लेकिन स्वास्थ्य के प्रति सावधान रहना जरूरी होगा।

मकर राशि : व्यवसाय के क्षेत्र आपके द्वारा बनाई गई योजनाएं अब आगे बढ़ सकती हैं। जिसके चलते लाभ कमाने के सुनहरे अवसर भी प्राप्त होंगे। लेकिन कार्यक्षेत्र में कुछ कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में सोच-समझकर निर्णय लेना आपके लिए ज्यादा बेहतर रहेगा।

कुंभ राशि : जो लोग नौकरी की तलाश कर रहे हैं उन्हें आज कोई अच्छा अवसर मिल सकता है या जॉब मिलने की संभावना भी बनी हुई है। आर्थिक मामलों में लंबे समय से किए गए प्रयास अब आपको सफलता दिला सकते हैं, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। वहीं, ससुराल पक्ष से भी सहयोग मिल सकता है।

मीन राशि : आपका दिन आज बेहद भाग्यशाली रहने वाला है। समाज में मान-सम्मान में वृद्धि होगी और कार्यक्षेत्र में लाभ कमाने के अवसर मिलेंगे।

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

संवाद के साथ सतर्कता भी आवश्यक, सीमा विवाद के बाद पहली अहम मुलाकात

भारत का अडिग रवैया देखकर ही आज चीन वापस रिश्तों में नरमाहट लाने की कोशिश में है। अक्टूबर 2024 से अब तक चीन ने न केवल अपने सैनिकों को विवादित क्षेत्रों से पीछे हटाया है बल्कि सीमा पर शांति कायम करने के लिए नई व्यवस्थाओं को भी स्वीकारा है। ऐसी बदली परिस्थितियों में मोदी का शी से मिलना और रिश्तों में सुधार आना समयोचित है।

पा सात वर्षों के अंतराल के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 31 अगस्त से एक सितंबर तक चीन के दौरे पर होंगे। वह जापान की यात्रा के बाद चीन पहुंचेंगे। सात वर्षों बाद उनका प्रमुख पड़ोसी देश चीन जाना स्पष्ट रूप से दशार्ता है कि दोनों देशों का रिश्ता कितना जटिल और समस्याओं से भरा है। कूटनीतिक दृष्टिकोण से मोदी की यात्रा द्विपक्षीय नहीं है, क्योंकि वे चीन के तियानजिन शहर में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के बहुपक्षीय शिखर सम्मेलन में भाग लेने जा रहे हैं। इस सम्मेलन के दौरान वे अन्य शासनाध्यक्षों के साथ चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग से भी मिलेंगे और यह स्पष्ट ही है कि आपसी विषयों पर भी बातचीत करेंगे। भारत-चीन के लिए यह बैठक अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि 2020 से जारी तनाव से निकल नए सिरे से संबंधों में सुधार लाने के लिए दोनों शीर्ष नेताओं का मिलना आवश्यक है। चीन और भारत के संदर्भ में शीर्ष राजनीतिक स्तर की वार्ता से निकले संकेत हमेशा लाभदायक रहे हैं। 2017 में डोकलाम में दोनों देशों की सेनाओं के आमने-सामने होने के बाद भारतीय प्रधानमंत्री मोदी ने विवादों को टकराव में बदलने से रोकने के लिए शी के साथ वुहान में अनौपचारिक राजनय के माध्यम से प्रयास किया था, पर अफसोस कि चीन ने तत्पश्चात फिर से आक्रामक रुख अपना लिया। 2020 में गलवान घाटी में हुई सैनिकों की मुठभेड़ में दोनों पक्षों को क्षति पहुंची थी। दोनों देशों ने भारी हथियारों से लैस होकर लगभग साठ हजार सैनिकों को सरहद पर युद्ध की तैयारी के हालात में तैनात कर दिया था। चीन की चाह एशिया में वर्चस्व और विश्व में अमेरिका के साथ बराबरी की हैसियत पाने की है। इसी कारण जब वह पड़ोसी देशों में कमजोरी या अनिश्चितता देखता है तो उस पर झपट पड़ने और उस पर दबाव बनाने को तत्पर हो जाता है। उसकी इस नीयत को समझकर ही मोदी सरकार ने गलवान घाटी में हुई सैन्य झड़प के बाद चीन के सामने सैन्य बल का प्रदर्शन किया और उसे स्पष्ट रूप से यह संदेश दिया कि सीमाओं की स्थिति समग्र संबंधों की स्थिति को परिभाषित करेगी। भारत का सख्त रुख देखकर चीन को पूर्वी लद्दाख से लगी सीमा के कुछ हिस्सों से अपने सैनिक हटाने पड़े, जहां उसने एकतरफा तरीके से जमीन हड़पने की कोशिश की थी। भारत का अडिग रवैया देखकर ही आज चीन वापस रिश्तों में नरमाहट लाने की कोशिश में है। अक्टूबर 2024 से अब तक चीन ने न केवल अपने सैनिकों को विवादित क्षेत्रों से पीछे हटाया है, बल्कि सीमा पर शांति कायम करने के लिए नई व्यवस्थाओं को भी स्वीकारा है। ऐसी बदली परिस्थितियों में मोदी का शी से मिलना और रिश्तों में सुधार आना समयोचित है। आलोचक कह सकते हैं कि शीर्ष स्तरीय कूटनीति का यह नया दौर भी अंततः विफल रहेगा और चीन भारत पर दबाव बनाता रहेगा, क्योंकि वह भारत को अपने बराबर नहीं आने देना चाहता है, लेकिन जिस पड़ोसी के साथ 3,488 किलोमीटर की सीमा लगती हो और जो एशिया के उन्हीं देशों में अपना दबदबा बना रहा हो, जहां भारत के राष्ट्रीय हित समाहित हैं, उसके साथ कम से कम सम्मानजनक कामकाजी रिश्ता होना तो आवश्यक ही है। एक उत्तरदायी और स्थिरता प्रिय देश होने के नाते भारत कभी भी चीन के साथ पुनः युद्ध नहीं चाहेगा। सीमा समस्या का समाधान अब भी दूर की कौड़ी लगती है, पर बातचीत और संपर्क बनाए रखने में कोई हानि नहीं है। चीन से संपर्क-संवाद बढ़ाने के बाद भी उसके साथ संबंधों में आई नरमी को लेकर भारत अत्यधिक आशावादी नहीं हो सकता। आपरेशन सिंदूर के समय चीन ने अपने सदाबहार मित्र पाकिस्तान को भारत के विरुद्ध अभूतपूर्व सैन्य सहायता दी। शी अपने चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे को अफगानिस्तान तक विस्तारित करने पर भी जोर दे रहे हैं, जिससे वहां भारत के प्रभाव पर असर पड़ेगा। दक्षिण एशिया और हिंद महासागर के प्रत्येक देश में चीन भारत के विकल्प के तौर पर पेश आ रहा है। इस मामले में भूराजनीतिक प्रतिस्पर्धा के कम होने की कोई संभावना नहीं है। मोदी और शी का हाथ मिलाना और आपसी हितों पर मंत्रणा करने का यह मतलब नहीं कि हिंदी-चीनी भाई-भाई का जमाना फिर आ जाएगा। सचेत और सावधान रहते हुए जिम्मेदारीपूर्वक कूटनीति करना भारत की पहचान है। फिलहाल चीन के साथ रिश्तों में नरमी को इसी नजरिये से देखना चाहिए। इस समय भारत और चीन संवेदनशीलता के आधार पर तब अपने मतभेदों को सुलझाने में रुचि ले रहे हैं, जब भारत और अमेरिका की सामरिक साझेदारी में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के व्यापार युद्ध के कारण आंच आई है। भारत में चीन के राजदूत ने यह तक दावा किया है कि दोनों देश अमेरिका की धमकी और धौंस के खिलाफ एकजुट हो सकते हैं, पर तथ्य यही है कि चीन भारत की ऐसी कोई क्षतिपूर्ति नहीं कर सकता, जो अमेरिका के टैरिफ की वजह से होगी। चीन ने भारत पर कृषि के लिए उर्वरकों, दुर्लभ खनिजों और सुरंग खोदने वाली मशीनों के निर्यात प्रतिबंध को हटाकर भरोसे की बहाली का संकेत तो दिया है, पर असलियत यह है कि चीन को भारत के साथ लगभग 100 अरब डालर का व्यापार अधिशेष प्राप्त है। ऐसे में चीन को अमेरिका का विकल्प मानना अथवा रणनीतिक उलटफेर की आशा करना, जिसमें चीन और भारत एक साथ आकर अमेरिका को चुनौती दें, यथार्थवादी सोच नहीं है। अमेरिका द्वारा छेड़ा गया व्यापार युद्ध कभी न कभी सुलझ जाएगा, लेकिन चीन और भारत के बीच असंतुलित व्यापार का समाधान आसान नहीं दिखता। चीन यह भी चाहता है कि भारत पश्चिमी देशों के साथ अपनी मित्रता तोड़े और उसके खेमे में आ जाए, लेकिन भारत स्वयं महाशक्ति बनने के मार्ग पर है। ऐसे में वह अपनी सामरिक स्वायत्ता पर समझौता नहीं करेगा। करना भी नहीं चाहिए। इन अंतर्विरोधों के बावजूद मोदी का शी के साथ संबंधों को सामान्य बनाने के प्रयास की अहमियत को कम करके नहीं आंकना चाहिए। भारत चीन के साथ सम्मानजनक संबंध चाहता है। यह केवल शक्ति और कूटनीति के संयोजन से ही संभव है।

माता वैष्णो देवी के मार्ग पर विनाशलीला

(मनोज कुमार अग्रवाल)

चौबीसों घंटे माता रानी के जयकारों से गुंजायमान रहने वाला माता वैष्णो देवी मंदिर का मार्ग अब सन्नाटे में डूबा हुआ है। विनाशकारी भूस्खलन ने यहां न केवल 34 जिंदगियां लील लीं, बल्कि हजारों परिवारों को अनिश्चितता और भय के अंधेरे में धकेल दिया। कुछ तीर्थयात्री राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश, पंजाब और महाराष्ट्र के रहने वाले थे। अज्ञात 10 शवों में से चार महिलाओं के हैं। अर्धकुंवारी मार्ग, जो तीर्थयात्रा का प्रमुख विश्राम स्थल है, अब मलबे और चट्टानों के ढेर में तब्दील हो चुका है। श्रद्धालुओं की भीड़ जहां कभी भक्ति और उमंग से भरी होती थी, वहां अब रोते-बिलखते लोग अपने प्रियजनों की तलाश में भटक रहे हैं।

जम्मू कश्मीर के रियासी जिले के कटरा में स्थित वैष्णो देवी मंदिर के रास्ते में अर्धकुंवारी मां के पास हुए भूस्खलन में अब तक 34 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। बीस घायल अस्पतालों में इलाज के लिए भर्ती है। मृतकों की संख्या और बढ़ सकती है क्योंकि अभी कुछ और लोगों के दबे होने की आशंका है। बचाव कार्य जारी है। गंभीर हालात को देखते हुए उत्तर रेलवे ने जम्मू और कटरा स्टेशनों से आने-जाने वाली 58 ट्रेनों को रद्द कर दिया और 64 ट्रेनों को विभिन्न स्टेशनों पर बीच में ही रोकना पड़ा। धराली, थराली, मनाली, किश्तवाड़ के बाद माता वैष्णो देवी के त्रिकुटा पर्वत पर कुदरत के कहर से हुई इन मौतों ने देश को झकझोर दिया है। ताजा हादसे ने माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के कामकाज पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। क्या उसकी नीतियां सही है? क्या लगातार निर्माण कार्य और बढ़ती दुकानें त्रिकुटा पर्वत पर उचित हैं? क्या भक्तों की संख्या बढ़ाने के लिए पहाड़ और पेड़ों का दोहन उचित है? क्या त्रिकुटा पर्वत पर भोजनालय चलाने और अन्य कामों के लिए डीजल वाहनों के आने-जाने की परमिशन देनी उचित है? क्या बाणगंगा से लेकर ऊपर दरबार तक बढ़ती जा रही गंदगी पर किसी का ध्यान है? शायद नहीं।

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने हादसे के बाद उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के नियंत्रण वाले वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के उस फैसले पर सवाल उठाया, जिसमें भारी बारिश की चेतावनी के बावजूद तीर्थयात्रा जारी रखने की अनुमति दी गई थी। अब्दुल्ला ने कहा कि जब हमें मौसम के बारे में पता था तो लोगों को यात्रा मार्ग पर क्यों नहीं रोका गया? उन्हें सुरक्षित स्थान पर क्यों नहीं ले जाया गया?

भारतीय वायुसेना ने जम्मू और उत्तरी पंजाब के बाढ़ग्रस्त इलाकों में राहत और बचाव कार्यों के लिए छह हेलीकॉप्टर को सेवा में लगाया तथा गुरदासपुर के डेरा बाबा नानक कस्बे से सेना के 38 और बीएसएफ के 10 जवानों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया। इससे पहले राहत और बचाव सामग्री लेकर भारतीय वायुसेना का सी-130 परिवहन विमान, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की एक टीम के साथ जम्मू में उतरा। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि बचाव कार्य में शामिल होने के लिए और अधिक परिवहन विमान तैयार रखे गए हैं। सोशल मीडिया पर अब इस हादसे को लेकर स्थानीय और बाहरी श्रद्धालुओं का गुस्सा फूट रहा है। जिस रास्ते से चौबीस घंटे सातों दिन रात श्रद्धालु माता के जयकारे लगाते हुए आगे बढ़ते थे, वहां कुदरत के कहर ने गहरा घाव दिया है जिसे हजारों परिवार जीवन भर नहीं भुला पाएंगे। श्रद्धालु टिप्पणी कर रहे हैं- यह क्यों मां? मां के घर में यह कैसी आपदा है? क्या दोषी हम हैं? दुर्गा सप्तशती के आखिर में मां से क्षमा मांगने के लिए क्षमा प्रार्थना मंत्र का पाठ किया जाता है। भूल में हुई अपनी गलती के लिए क्षमा मांगी जाती है। क्या यह भूल हमसे हुई है? सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल है। कटरा का रहने वाला शख्स रोते हुए बता रहा है कि कैसे मां के घर त्रिकुटा पर्वत को विकास के नाम पर बर्बाद कर दिया गया है। सोशल मीडिया पर एक कटरावासी ने साफ-साफ कहा कि श्राइन बोर्ड की किताबों से लेकर रामायण तक में साफ-साफ लिखा है कि मां वैष्णो देवी प्रभु श्रीराम के लिए तपस्या कर रही हैं। श्रीराम ने उन्हें वादा किया था कि कलयुग में जब वो लौटेंगे तो माता को स्वीकार करेंगे। ऐसे में माता की तपस्या को प्रदूषण, गाड़ियों के हॉर्न, पेड़ों की कटाई और लगातार हो रहे निर्माण से क्यों बाधा पहुंचाई जा रही है? मां गुस्से में हैं। कारण साफ है, उनकी हजारों सालों की तपस्या में बाधा आ रही है। श्राइन बोर्ड भीड़ बढ़ाने के लिए त्रिकुट पर्वत को व्यवसाय के रूप में चलाने लगा है। गरीब भक्तों के लिए इंतजाम के नाम पर कुछ नहीं किया जा रहा है।

बाणगंगा से लेकर भैरवनाथ तक हर जगह पहाड़ पर कूड़े के ढेर दिख रहे हैं। इस व्यक्ति ने बताया कि त्रिकुटा पर्वत पर हर जगह पानी है। हर जगह से पानी गिरता रहता है। पेड़ों के कारण वातावरण एकदम साफ-सुथरा था, मगर अब व्यवसायिकता सब कुछ बर्बाद कर रही है। अगर अब भी श्राइन बोर्ड और सरकार न जागी तो और बड़ा अनर्थ हो जाएगा। माता ही चली जाएंगी तो इन रौशनियों को देखने कौन आएगा? कौन त्रिकुटा पर्वत पर आएगा? सबसे जरूरी है कि मां की तपस्या में बाधा न पड़े। इसके लिए सभी को आगे आना होगा।

एक अन्य पोस्ट मे लिखा हुआ है इस पर्वत को बख्श दो, पेड़ लगाओ इधर, तबाही हो गई है लोगों की, नहीं देखा जाता अब, दो महीने पहले भी तबाही की और अब फिर से तबाही कर दी आपने। माता रानी के पहाड़ों की जड़ें लेकर रख दीं आपने। कितना डिवलेपमेंट करना है। कहीं और जाकर डेवलपमेंट करो। इधर न करो। जो जहाजों की टिकट लेते है ना उसको श्राइन बोर्ड के खिलाफ कुछ नहीं बोलना है। जिसको अच्छे दर्शन चाहिए वह बोर्ड के खिलाफ बोलता ही नहीं है। यार बोलना पड़ेगा। जब त्रिकुटा पर्वत नहीं रहेगा ना तो कटरा भी नहीं रहेगा। माता रानी भी नहीं रहेगी। पहाड़ नहीं रहेगा। न यात्रा रहेगी। यह जगमग लाइटें नहीं रहेंगी। आपने पहाड़ की तबाही कर दी है। त्रिकुटा पर्वत को बख्श दो। आपको माता रानी का वास्ता। इस पहाड़ में सिर्फ पानी है। मैं बचपन से यहां रहता हूं। मेरी जन्मभूमि है कटरा। आप यहां जेसीबी चला रहे हो। स्थानीय लोगों का कहना है कि माता के दरबार तक लगातार पहाड़ी का कटान कर चार रास्ते बना लिए गए हैं। पहाड़ी पर आवागमन करते हैलीकॉप्टर सेवा और भारी तादाद में लोगों के आवागमन से भोगौलिक पर्यावरण पर बेहद बुरा असर पड़ रहा है। अभी भी कटरा और जम्मू के होटलों और गेस्ट हॉउस में करीबन 20 हजार यात्री रुके हुए थे। अर्धकुंवारी के पास 200 फीट हिस्सा बुरी तरह खराब हो गया है, यात्रा ट्रेक को ठीक करने में अभी समय लग सकता है। जम्मू के मौसम में सुधार तो आया है, लेकिन कश्मीर में लगातार बारिश से झेलम के साथ-साथ कई नदी-नालों का जलस्तर खतरे के निशान पर पहुंच गया है।

राहुल गांधी की वोट यात्रा किसे चुनाव जिताएगी

राजेश कुमार पासी

बिहार में मतदाता सूची का गहन पुनरीक्षण चल रहा है जिसे मुद्दा बनाकर राहुल गांधी ने वोट अधिकार यात्रा शुरू की है। इस यात्रा में अच्छी-खासी भीड़ जुट रही है. इससे उत्साहित होकर राहुल गांधी ने अपना पूरा जोर इस यात्रा में लगाया हुआ है। उन्होंने इस यात्रा को चुनाव प्रचार की तरह बढ़ाना शुरू कर दिया है। कांग्रेस और दूसरे विपक्षी दल आजकल राहुल गांधी के पीछे चल रहे हैं और राहुल गांधी का कहना है कि मतदाता सूची में गड़बड़ी करके भाजपा चुनाव चोरी कर रही है। वो बिहार में मतदाता सूची के पुनरीक्षण को भी वोट चोरी से जोड़ रहे हैं। उनका कहना है कि चुनाव आयोग भाजपा के इशारे पर दलितों, पिछड़ों और अल्पसंख्यकों के वोट काट रहा है क्योंकि ये लोग हमें वोट देते हैं। अब सवाल उठता है कि इस यात्रा से चुनाव में किसको फायदा होगा और किसको नुकसान होगा। कुछ लोगों के लिए यह सवाल अजीब हो सकता है क्योंकि उन्हें लगता है कि राहुल गांधी सड़क पर उतर कर मेहनत कर रहे हैं तो फायदा गठबंधन को ही होने वाला है। सवाल यह है कि क्या राजनीति इतनी सीधी और सपाट होती है। अगर राजनीति सच में इतनी सीधी और सपाट होती तो विश्लेषण की जरूरत ही नहीं पड़ती। वो कहते हैं कि उनके पास वोट चोरी का सबूत है. सवाल यह है कि क्या उन्हें सुप्रीम कोर्ट पर यकीन नहीं है. अगर सबूत हैं तो मामले की सुनवाई जो सुप्रीम कोर्ट में चल ही रही है वहां अपने सबूत क्यों नहीं पेश करते। इस यात्रा का आधार ही यही है कि वोट चोरी हो रही है। जब विपक्ष खुद ही सारा मामला सुप्रीम कोर्ट में ले जा चुका है तो वो क्यों नहीं सारी बातें माननीय अदालत में रखता। इसके विपरीत सुप्रीम कोर्ट इस मामले पर विपक्ष को कई बार लताड़ लगा चुका है कि चुनाव आयोग सही काम कर रहा है. आप अपने आरोप साबित नहीं कर पा रहे हैं। एक तरफ देश की सबसे बड़ी अदालत में लड़ना, दूसरी तरफ सड़क पर उतर जाना सही रणनीति नहीं है। अगर सड़क पर उतरना था तो अदालत में नहीं जाना चाहिए था। इस यात्रा में शामिल होने के लिए कांग्रेस ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन और तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को बुलाया था। जो नेता अपने प्रदेशों में बिहार के लोगों को गाली देते हैं, उनको काम करने से रोकते है, उन्हें इस यात्रा में लाने की रणनीति क्या है। विशेष रूप से स्टालिन और उनकी पार्टी की छवि हिंदी, हिन्दू और उत्तर भारतीय विरोधी की है। ऐसे नेता अगर चुनाव प्रचार करते हैं तो भाजपा का ही रास्ता साफ होने वाला है। बिहारियों का अपमान करने वाले लोग राहुल गांधी के साथ दिखाई देंगे तो बिहार में इसका राजनीतिक फायदा होगा या नुकसान होगा।

डीएमके नेता दयानिधि मारन ने कहा था कि उत्तर प्रदेश और बिहार के लोग तमिलनाडु में आकर शौचालय साफ करते हैं, वो इसी लायक हैं। आजकल लोग ऐसे नेताओं के पुराने वीडियो निकाल कर वायरल कर देते हैं, इसलिए पार्टी को सोच समझकर काम करना चाहिए। डीएमके नेताओं के पुराने बयान भाजपा का आईटी सेल सोशल मीडिया में वायरल कर रहा है। बिहार में सवाल पूछा जा रहा है कि जब बिहारियों को तमिलनाडु में परेशान किया जा रहा था तो स्टालिन कहाँ थे. राहुल गांधी बिहारियों की मदद करने तमिलनाडु क्यों नहीं गए और चुप क्यों रहे। गुरुवार को यात्रा के एक मंच से मोदी जी को मां की गाली दी गई जिसे भाजपा ने मुद्दा बना लिया है। इससे यात्रा की छवि खराब हो रही है। खुद राहुल गांधी प्रधानमंत्री मोदी के लिए अभद्र भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं। वो मोदी जी के लिए तू-तड़ाक वाली भाषा बोल रहे हैं और मोदी जी पर निजी हमले कर रहे हैं। स्पष्ट रूप से राहुल गांधी में राजनीतिक परिपक्वता की कमी दिखाई दे रही है. वो बोलते हैं तो ऐसा लगता है कि कोई नौसिखिया बोल रहा है जबकि उन्हें राजनीति करते हुए 20 साल से ज्यादा का समय हो चुका है। उनकी परवरिश भी एक राजनीतिक माहौल में हुई है. अगर ऐसे माहौल में पले-बढ़े व्यक्ति की राजनीतिक समझ पर सवाल उठता है

माननीय जनपद न्यायाधीश ने 13 सितंबर को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता हेतु प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

भारत संवाद

माननीय जनपद न्यायाधीश/ अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रयागराज श्री संजीव कुमार द्वारा शनिवार दिनांक 13.09.2025 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता हेतु जनपद न्यायालय परिसर, प्रयागराज से प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। प्रचार वाहन के साथ समस्त बैंकों के प्रबंधकगण व जिला अग्रणी प्रबंधक, बैंक ऑफ बड़ौदा उपस्थित रहे। प्रचार वाहन के साथ पराविधिक स्वयंसेवक ने पूरे शहर में लोक अदालत का प्रचार प्रसार किया। इस मौके पर श्री रविकांत नोडल ऑफिसर लोक अदालत/ एडीजे व श्री दिनेश कुमार गौतम, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण/ एडीजे सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे। दिनांक 13.09.2025 को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत का प्रचार प्रसार पूरे जनपद में किया गया । समस्त जनमानस से अनुरोध है दिनांक 13.09..2025 को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में अपने मुकदमे को चिन्हित कर स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के साथ उपस्थित हो कर उसका निस्तारण कराए। यह जानकारी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री दिनेश कुमार गौतम द्वारा प्रदान की गई।

जिलाधिकारी ने औचक निरीक्षण कर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र जसरा में मरीजों को मिलने वाली स्वास्थ्य सुविधाओं की गुणवत्ता एवं व्यवस्थाओं का जायजा

अनुपस्थित चिकित्सकों एवं कार्मिक का एक दिन का वेतन रोके जाने के साथ ही उनसे स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के दिए निर्देश

भारत संवाद

जिलाधिकारी श्री मनीष कुमार वर्मा के द्वारा शनिवार को तहसील बारा के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र जसरा में मरीजों को मिलने वाली स्वास्थ्य सुविधाओं की गुणवत्ता एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिये जाने एवं चिकित्सालय में उपलब्ध आवश्यक मूलभूत सुविधाओं की अद्यतन स्थिति का आंकलन किए जाने हेतु औचक निरीक्षण किया गया। जिलाधिकारी ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का निरीक्षण करते हुए साफ-सफाई की व्यवस्था, चिकित्सकों और स्टॉफ की उपलब्धता एवं उपस्थिति, दवाओं की उपलब्धता एवं वितरण की स्थिति, चिकित्सकीय जांच की मशीनों की उपलब्धता एवं संचालन, अभिलेखों की स्थिति, जनसामान्य हेतु उपलब्ध आवश्यक मूलभूत सुविधाएं, महिला प्रसव वार्ड की स्थिति, एम्बुलेंस एवं अन्य

निर्देश

साफ-सफाई की अधिक खराब व्यवस्था पर जतायी कड़ी नाराजगी, अभियान चलाकर साफ-सफाई कराने के दिए निर्देश

आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में शौचालयों के गंदे पाये जाने, गैलरी व अन्य स्थानों पर प्रकाश की व्यवस्था न होने से अंधेरा होने, कुछ स्टाफ के साफ-सुथरे कपड़े न पहने जाने, चिकित्सालय परिसर में कूड़ा इक्ट्ठा होने एवं कूड़ा कलेक्शन की व्यवस्था अच्छी न होने, साफ-सफाई की अधिक खराब व्यवस्था पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए साफ-सफाई की नियमित एवं उचित व्यवस्था बनाये जाने हेतु आवश्यक कार्यवाही करने एवं प्रभारी चिकित्साधिकारी व जिला विकास अधिकारी को चिकित्सालय परिसर में अभियान चलाकर साफ-सफाई कराने के निर्देश दिए है। चिकित्सालय में निरीक्षण के दौरान प्रभारी चिकित्साधिकारी के अनुपस्थित रहने के कारण पूछे जाने पर बताया गया कि किसी कार्यवश प्रभारी चिकित्साधिकारी मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय गये है, जिसपर जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि प्रभारी चिकित्साधिकरी 02:00 बजे के बाद ही चिकित्सालय परिसर छोड़े। उन्होंने प्रभारी चिकित्साधिकारी का आज का वेतन रोके जाने के निर्देश दिए है। जिलाधिकारी ने श्री प्रदीप कुमार श्रीवास्तव के द्वारा एक साथ 04 दिन का आकस्मिक अवकाश उपभोग करने के पश्चात एक दिन उपस्थित होकर पुनः 07 दिन से आकस्मिक अवकाश पर चल रहे है, का स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने का निर्देश दिए है। डॉ0 आशुतोष सिंह के लगातार बिना सूचना दिए तीन दिन से अनुपस्थित रहने पर उनका एक दिन का वेतन रोके जाने एवं स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए है।

फास्ट ट्रैक

पीडीडीयू स्टेट हेल्थ कार्ड वरदान

भारत संवाद

पंडित दीनदयाल उपाध्याय राज्य कर्मचारी कैशलेस चिकित्सा योजना अंतर्गत जनपद प्रयागराज में दिनांक 30.08.2025 को सीएमओ कार्यालय में पेंशनर हेतु कैंप का आयोजन किया गया ।जिसमें बताया गया कि योजना अंतर्गत आने वाले सरकारी सेवक पेंशनर से उनके आश्रित के कार्ड बनाएं जाए । पेंशनर लाइव केवाईसी हेतु दीनदयाल की वेबसाइट पर वीडियो देखकर अपने आश्रित का भी आवेदन कराए । सीएमओ प्रयागराज ने बताया कि लोग जागरूक है और जल्द स्वास्थ विभाग के सरकारी सेवक के कार्ड बना लिए जाएंगे ।समय समय पर लगातार कैंप का आयोजन होते रहना चाहिए जिससे लोग नई जानकारी से अपडेट होते रहे । आयुष्मान राज्य स्तर से आई टीम डा आदित्य पांडेय ने बताया कि ये एक दिन की प्रक्रिया नहीं है पेंशनर हेतु लगातार पीडीडीयू कैंप आयोजित होते रहने चाहिए। आयुष्मान ट्रेनिंग मैनेजर ने कहा कि प्रयागराज में सरकारी सेवक पेंशनर की संख्या अधिक है अंत यहां विशेष तौर पर विभागों को आगे आकर सेल्फ कैंप लगाना होगा ,नोडल अधिकारी आयुष्मान डा राजेश सिंह ने बताया कि मुख्य उद्देश्य ये है कि लोग किसी भी विषम स्थिति में परेशान न हो उनके पास पूर्व से हेल्थ कार्ड मौजूद हो ।

थाना अदलहाट पुलिस द्वारा 650 ग्राम अवैध गांजा के साथ एक अभियुक्त गिरफ्तार

सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरूद्ध कार्यवाही तथा अवैध मादक पदार्थों की तस्करी व बिक्री पर अंकुश लगाते हुए तस्करी में संलिप्त अभियुक्तों की गिरफ्तारी एवं प्रभावी कार्यवाही करने हेतु जनपद के समस्त प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षगण को निर्देश दिये गये हैं । उक्त निर्देश के अनुक्रम में दिनांकः 30.08.2025 को उप-निरीक्षक हंस लाल राम मय पुलिस टीम द्वारा थाना अदलहाट क्षेत्रान्तर्गत ग्राम खजुरौल से अभियुक्त महेन्द्र कुमार पुत्र बन्धन निवासी धरदे थाना बबुरी जनपद सोनभद्र को 650 ग्राम अवैध गांजा के साथ गिरफ्तार किया गया ।उक्त गिरफ्तारी व बरामदगी के सम्बन्ध में थाना अदलहाट पर मु0अ0सं0-278/2025 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट पंजीकृत कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए गिरफ्तार अभियुक्त को मा0न्यायालय/जेल भेजा गया ।

थाना अदलहाट पुलिस द्वारा नाबालिग को बहला-फुसला कर भगाने के अभियोग से सम्बन्धित अभियुक्त गिरफ्तार

थाना अदलहाट, जनपद मीरजापुर पर दिनांकः 20.08.2025 को एक व्यक्ति द्वारा नामजद अभियुक्त के विरूद्ध वादी की नाबालिग पुत्री को बहला-फुसला के भगा ले जाने के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गई । उक्त के सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना अदलहाट पर मु0अ0सं0-271/2025 धारा 137(2),87,352,351(3) बीएनएस पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई । सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा उक्त घटना को गंभीरता से लेते हुए क्षेत्राधिकारी चुनार के नेतृत्व में प्रभारी निरीक्षक अदलहाट को अभियुक्त की यथाशीघ्र गिरफ्तारी करने के निर्देश दिए गए । उक्त निर्देश के अनुक्रम में थाना अदलहाट पर पंजीकृत उपरोक्त अभियोग में पतारसी सुरागरसी एवं अग्रिम विवेचनात्मक कार्यवाही के क्रम में आज दिनांकः 30.08.2025 को उप निरीक्षक कमला प्रसाद शर्मा मय पुलिस टीम द्वारा थाना अदलहाट क्षेत्रांतर्गत समदपुर पेट्रोल पम्प के पास से नामजद अभियुक्त रोहित पुत्र श्रीराम निवासी कोलना थाना अदलहाट जनपद मीरजापुर को अंतर्गत धारा 137(2),87,352,351(3) बीएनएस में गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए मा0न्यायालय/जेल भेजा गया ।

महाकुंभ 2025 : अमृत पथ गामिनी हिंदी ई-पुस्तक और विशेष डॉक्यूमेंट्री का हुआ विमोचन

रेलवे के अमृत प्रयासों की झलक , हिंदी ई-पुस्तक और डॉक्यूमेंट्री

भारत संवाद

प्रयागराज महाकुंभ 2025 में रेलवे की ऐतिहासिक भूमिका को शब्द और चित्रों में समेटते हुए आज उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय, प्रयागराज में ई-कॉफी टेबल पुस्तक अमृत पथ गामिनी के हिंदी संस्करण और महाकुंभ -2025 पर बनी विशेष डॉक्यूमेंट्री का औपचारिक विमोचन महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे श्री उपेंद्र चंद्र जोशी द्वारा किया गया। इस अवसर पर अपर महाप्रबंधक श्री जे.एस. लाकरा, सभी प्रमुख विभागाध्यक्ष, अधिकारीगण एवं जनसंपर्क विभाग के कर्मचारी उपस्थित रहे। यह हिंदी ई-पुस्तक महाकुंभ 2025 में रेलवे द्वारा किए गए कार्यों का संपूर्ण विवरण प्रस्तुत करती है - स्टेशनों के उन्नयन से लेकर भीड़ प्रबंधन तक, हजारों विशेष ट्रेनों के संचालन से लेकर यात्रियों की सुविधा व सुरक्षा तक। पुस्तक में रेलकर्मियों के अथक परिश्रम और समर्पण को अध्यायवार विस्तार से दर्शाया गया है। पुस्तक के प्रत्येक अध्याय में न केवल परिचालन और तकनीकी पहलू शामिल हैं, बल्कि उन प्रयासों को भी दर्ज किया गया है जिनसे करोड़ों श्रद्धालुओं की यात्रा सहज और सुरक्षित बनी। साथ ही प्रदर्शित डॉक्यूमेंट्री महाकुंभ के विशाल आयोजन में रेलवे के प्रयासों की जीवंत झलक पेश करती है। इसमें दिखाया गया है कि किस तरह भारतीय रेलवे, विशेषकर उत्तर मध्य रेलवे ने, सेवा और समर्पण की भावना के साथ दुनिया के सबसे बड़े धार्मिक समागम को सफल बनाने में दिन-रात योगदान दिया। इसमें आप देख पाएंगे कि किस प्रकार रेलकर्मयोगी दिन-रात डटे रहे, स्टेशनों पर यात्रियों का स्वागत किया, भीड़ को नियंत्रित किया और हर यात्री तक सुविधा पहुँचाने के लिए लगातार काम करते रहे। इस अवसर पर महाप्रबंधक उपेन्द्र चन्द्र जोशी ने कहा, महाकुंभ 2025 हमारे लिए केवल संचालन की चुनौती नहीं था, बल्कि यह हमारी पूरी टीम के साहस, समन्वय और सेवा भावना की परीक्षा थी। यह पुस्तक और डॉक्यूमेंट्री उसी अमिट प्रयास की गवाही हैं। उन्होंने इस परियोजना को वास्तविकता में बदलने के लिए जनसंपर्क विभाग के प्रयासों की सराहना की।

जिलाधिकारी ने मॉडल ग्राम पंचायत देवरिया में राजस्व, विकास, स्वास्थ्य, कृषि एवं गौशाला से सम्बंधित सभी व्यवस्थाओं एवं सुविधाओं की अद्यतन स्थिति के सम्बंध में ग्राम पंचायत सचिवालय में बैठक की

आंगनबाड़ी केन्द्र देवरिया में सभी अधूरे कार्यों को एक सप्ताह पूर्ण कराते हुए आंगनबाड़ी केन्द्र को क्रियाशील कराये जाने के दिए निर्देश

- वरासत से सम्बंधित प्रकरणों को समय से निस्तारित कराने के दिए निर्देश
- गौआश्रय स्थलों में नियमित साफ-सफाई कराये जाने के दिए निर्देश

भारत संवाद

जिलाधिकारी श्री मनीष कुमार वर्मा के द्वारा शनिवार को मॉडल ग्राम पंचायत देवरिया विकास खण्ड जसरा में राजस्व, विकास, स्वास्थ्य, कृषि एवं गौशाला से सम्बंधित सभी व्यवस्थायें एवं सुविधाओं की अद्यतन स्थिति का आंकलन किए जाने हेतु सभी सम्बंधित अधिकारियों के साथ ग्राम पंचायत सचिवालय में देवरिया में बैठक की एवं बैठक के पश्चात जल जीवन मिशन के अन्तर्गत 55 एमएलडी इंटेक वेल व वाटर ट्रीटमेंट प्लांट, बाबा सुजावन देव आदर्श गौवंश आश्रय स्थल, आंगनबाड़ी केन्द्र देवरिया, उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अन्तर्गत मोहिनी प्रेरणा आजीविका ग्राम संगठन का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने ग्राम पंचायत सचिवालय में सभी सम्बंधित अधिकारियों के साथ बैठक करते हुए आशा कार्यकत्रियों से वीएचएनडी सेशन, टीकाकरण व ड्यूलिस्ट के बारे में जानकारी ली, जिसपर उन्हें बताया गया कि ड्यूलिस्ट अपडेटेड है और वीएचएनडी सेशन नियमित रूप से यहां पर आयोजित किया जाता है। जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी बारा को वरासत से सम्बंधित प्रकरणों की नियमित समीक्षा करते हुए वरासत के प्रकरणों को जल्द से जल्द निस्तारित करने के निर्देश दिए है। उन्होंने पंचायत सहायक से ग्राम पंचायत में मृत हुए लोगों की सूची प्राप्त कर उनका वरासत हुआ है या नहीं, की जांच करने तथा इस सम्बंध में एक खुली बैठक भी आयोजित कर जानकारी प्राप्त करने के लिए कहा है। उन्होंने वरासत के मामले में नाम में स्पेलिंग मिस्टेक या अन्य छोटी मोटी त्रुटियों की वजह से लम्बित आवेदनों का शीघ्रता से निस्तारण करने के निर्देश दिए है। उन्होंने क्षेत्र में खाद की उपलब्धता के बारे में जानकारी ली, जिसपर उन्हें बताया गया कि क्षेत्र में खाद की कोई समस्या नहीं है। इसके साथ ही उन्होंने क्षेत्र में बोई जाने वाली फसलों एवं सिंचाई के साधनों के बारे में भी जानकारी प्राप्त की। जिलाधिकारी ने ग्राम पंचायत में बनाये गये सचिवालय भवन की प्रशंसा की और अन्य ग्राम पंचायतों के सचिवालयों में भी इसी प्रकार की व्यवस्थायें करने के लिए कहा है।

आल इण्डिया रिटायर्ड रेलवे मेन्स फेडरेशन एंव जोनल बॉडी शाखाओं की संयुक्त बैठक संपन्न

भारत संवाद

प्रयागराज (कमल श्रीवास्तव)। शनिवार 30 अगस्त 2025 को आल इण्डिया रिटायर्ड रेलवे मेन्स फेडरेशन प्रयागराज मंडल एंव जोनल बॉडी तथा शाखाओं की संयुक्त बैठक सुहागन पैलेस गेस्ट हाउस भावापुर में 10 बजे दिन से प्रारम्भ हुयी जिसकी अध्यक्षता जोनल कार्यकारी अध्यक्ष सक्तेश्वर प्रसाद श्रीवास्तव, राज कुमार त्रिपाठी मंडल अध्यक्ष ने किया। बैठक में संगठन के जोनल/मंडलीय/ शाखाओं के पदाधिकारी के अतिरिक्त सैकड़ो सक्रिय कार्यकताओं एंव सदस्यों ने भाग लिया। बैठक को सम्बोधित करते हुये मंडल मंत्री मदन लाल ने बताया कि भारतीय रेलवे में जहाँ लगभग 12 लाख कार्यरत रेल कर्मी है वही सेवानिवृत रेल कर्मियों की संख्या लगभग 14 लाख है। वहीं रेल प्रशासन एंव भारत सरकार की गलत नीतियों के कारण रेलवे अस्पतालों को धीरे-धीरे नीजि हाथों में देने की षडयंत्र रची जा रही है जिसका विरोध रेलवे के कार्यरत एंव सेवा निवृति कर्मचारी शीघ्र करेंगे। मंडल मंत्री ने केन्द्रीय चिकित्सालय में सेवा निवृति कर्मियों के लिए कम से कम दो दवा वितरण काउन्टर अलग निर्धारण करने दवा की गुणवत्ता में सुधार करने एंव लोकल पर्चेच दवाओं की आपूर्ति हेतु बजट में राशि बढ़ाने की माँग की।जोनल के संरक्षक ए.के. भारद्वाज ने सेवा निवृत यूनियन की शाखाओं की विस्तार हेतु प्रयागराज मंडल के साथ-साथ झांसी एंव आगरा मंडल में यूनियन की विस्तार करने हेतु सभी पदाधिकारियों प्रयास करने की सुझाव दिया साथ ही रेलवे अस्पतालों में कार्यरत समस्त डाक्टरों से अनुरोध किया कि उन्हें अपने अंदर चिकित्सीय संवेदना भावना के साथ कार्य करना चाहिए। केन्द्रीय चिकित्सालय में विशेषग्य डाक्टरो की शीघ्र पोस्टिंग कराने हेतु महाप्रबंधक महोदय एंव पी.सी.एम.डी. से माँग की।

वरिष्ठ नागरिक काव्य मंच की संपन्न हुई काव्य गोष्ठी

भारत संवाद

प्रयागराज। वरिष्ठ नागरिक काव्य मंच पूर्वी उत्तर प्रदेश इकाई की एक काव्य गोष्ठी आज संजय, रचना सक्सेना के आवास पर हुई। कार्यक्रम की शुरूआत में अतिथियों ने माँ सरस्वती को दीप प्रज्ज्वलित किया। इसके बाद रचना सक्सेना ने सरस्वती वंदना करके कार्यक्रम की औपचारिक शुरूआत किया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रेमा राय, मुख्य अतिथि डाक्टर योगेन्द्र कुमार मिश्र, विशिष्ट अतिथि शम्भूनाथ श्रीवास्तव रहे। इस काव्य गोष्ठी में प्रतिभाग करने वाले कवियों में सर्वश्री उमेश श्रीवास्तव, केशव प्रकाश सक्सेना, डॉ प्रदीप चित्रांशी, पंडित राकेश मालवीय मुस्कान, डॉक्टर योगेंद्र कुमार मिश्र विश्वबंधु, शम्भूनाथ श्रीवास्तव, डाक्टर वीरेन्द्र कुमार तिवारी, एसपी श्रीवास्तव, संजय सक्सेना, केपी गिरि ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का संचालन उमेश श्रीवास्तव ने किया। धन्यवाद ज्ञापन राकेश मालवीय ने किया।

अलगाव से एकीकरण की ओरः बैराबी-सैरांग रेल क्रांति

भारत संवाद

दशकों से, मिजोरम को भारत के सबसे खूबसूरत लेकिन दूरस्थ राज्यों में से एक माना जाता रहा है - धुंध भरी हवा में फैली हरी-भरी पहाड़ियाँ, मीलों तक फैले बाँस के जंगल और भौगोलिक रूप से अलग-थलग पड़े सांस्कृतिक समुदाय। अब तक, मिजोरम राज्य, जिसकी राजधानी आइजोल है, तक पहुँचने में संकरे राजमार्गों के सड़क नेटवर्क से पाँच घंटे लगते थे, जो हर बार मानसून आने पर ध्वस्त हो जाते थे। 51.38 किलोमीटर लंबी इंजीनियरिंग की अद्भुत कृति, बैराबी-सैरांग रेलवे लाइन को इस वास्तविकता को बदलने में 8000 करोड़ रुपये से थोड़ा अधिक की लागत आई है। 45 सुरंगों और 153 पुलों वाली यह लाइन, जिसमें देश का दूसरा सबसे ऊँचा पुल, 114 मीटर (कुतुब मीनार से भी ऊँचा) है, अब मिजोरम को राष्ट्रीय रेलवे ग्रिड से जोड़ती है। यह परियोजना, जो एक निर्माण सफलता से कहीं अधिक है, पहले से ही मिजोरम की अर्थव्यवस्था, उसके समाज और सामरिक महत्व को बदल रही है।

कनेक्टिविटी की जीवनरेखा

रेलवे में कटौती से आइजोल और सिलचर के बीच सड़क मार्ग की सात घंटे की दूरी घटकर मात्र तीन घंटे की रेल यात्रा रह गई है, जिससे आवागमन अधिक तेज, सुरक्षित और किफायती हो गया है। यात्री ट्रेनें अब 100 किमी प्रति घंटे तक की गति से चल सकती हैं और इसलिए निवासी अब स्वास्थ्य सेवा केंद्रों, विश्वविद्यालयों और वाणिज्यिक केंद्रों तक अधिक विश्वसनीयता के साथ पहुँच पा रहे हैं। यह केवल सुविधा ही नहीं है। अनुमान है कि बेहतर कनेक्टिविटी के कारण क्षेत्रीय सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में हर साल 2-3 प्रतिशत की वृद्धि हो सकती है क्योंकि अधिक लोग बिना किसी बाधा के यात्रा कर सकते हैं और अधिक लोगों की अर्थव्यवस्था तक पहुँच होगी। मिजोरम जैसे छोटे राज्य के लिए, जहाँ सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) लगभग ?25,000 करोड़ है, 2 प्रतिशत की वृद्धि से हर साल अर्थव्यवस्था में 500 करोड़ रुपये का अतिरिक्त राजस्व आएगा।

आर्थिक विकास और समृद्धि

सबसे ज्यादा ध्यान देने योग्य बदलाव आर्थिक है। रेलवे ने मिजोरम की कृषि उपज (बाँस, मिर्च, संतरा, अदरक और अनानास) को बेहद कम लागत पर पहुँचाकर भारत के व्यापक बाजारों तक पहुँच आसान बना दी है। वर्तमान में, पूर्वोत्तर में खराब परिवहन के कारण कटाई के बाद होने वाला नुकसान औसतन लगभग 25-30% है। रेल संपर्क के माध्यम से, यह अनुमान लगाया गया है कि खराब होने वाले उत्पादों की मात्रा घटकर आधी रह जाएगी और इससे किसानों की आय में सीधे तौर पर वृद्धि होगी। स्थानीय उद्यमियों को भी लाभ होगा। सड़क मार्ग से लॉजिस्टिक्स की लागत, जो पहले 15-20 रुपये प्रति किलोग्राम हुआ करती थी, रेल के माध्यम से 30-40 प्रतिशत कम हो जाएगी। यह बचत अन्य क्षेत्रों में भी फैलती है: ईंधन, सीमेंट और रोजमर्रा की किराने की वस्तुओं जैसी जरूरी वस्तुओं की कीमतों में 10-20 प्रतिशत की कमी आने का अनुमान है, जिससे राज्य में 12 लाख से ज्यादा मिजोरमवासियों के लिए जीवन ज्यादा किफायती हो जाएगा।एक और गुणक रोजगार सृजन है। इस परियोजना ने निर्माण के दौरान हजारों निर्माण और इंजीनियरिंग रोजगार सृजित किए। अर्थशास्त्रियों का अनुमान है कि भविष्य में रेलवे से जुड़े लॉजिस्टिक्स, आतिथ्य, खुदरा और पर्यटन क्षेत्रों में हर साल 3,000-5,000 अप्रत्यक्ष नौकरियाँ पैदा होंगी। इससे मिजोरम में बेरोजगारी का स्तर, जो पहले से ही देश के मुकाबले ऊँचा है, संतुलन के और करीब पहुँच जाएगा।

पर्यटन और व्यापार विकास के इंजन

मिजोरम लंबे समय से एक गुमनाम पर्यटन रत्न रहा है। इसकी अछूती पहाड़ियाँ, पारंपरिक त्यौहार और इको-टूरिज्म की संभावनाएँ दुर्गम स्थानों के कारण सीमित थीं। रेल की सुगमता का अर्थ है कि सरकार का अनुमान है कि अगले पाँच वर्षों में पर्यटकों के आगमन में 40-50 प्रतिशत की वृद्धि होगी, जिससे होटलों, होमस्टे, हस्तशिल्प बाजारों और परिवहन सेवाओं की बिक्री में वृद्धि होगी।

व्यापार में भी उछाल आने की संभावना है। रेलमार्ग मिजोरम को शेष भारत से जोड़ता है और इसे म्यांमार के सित्तवे बंदरगाह के पास रखता है, जिससे भारत की एक्ट ईस्ट नीति के तहत यह राज्य अंतर्राष्ट्रीय आपूर्ति नेटवर्क से जुड़ जाता है। नियोजित विस्तारः मिजोरम अगले दस वर्षों में भारत और दक्षिण पूर्व एशिया के बीच 10-12 अरब डॉलर के व्यापार के साथ एक पारगमन केंद्र बन सकता है।

वैश्विक संगीत का भविष्य, एक मंच से दूसरे मंच तक

भारत संवाद

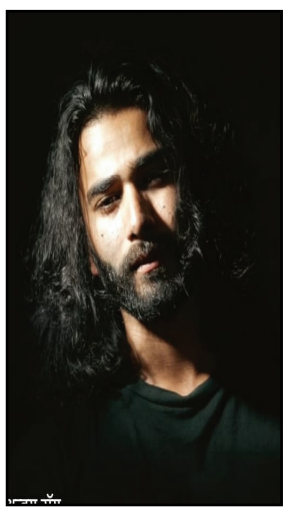

मात्र 27 वर्ष की आयु में, भारत में जन्मे अन्वय रॉय ने वैश्विक संगीत जगत में अपनी एक अलग पहचान बना ली है, जिसका सपना कई दिग्गज कलाकार भी देखते हैं। भारत से लॉस एंजिल्स तक का सफर तय करते हुए, अन्वय एक फ्रंटलाइन कलाकार, गिटारिस्ट और प्लेबैक इंजीनियर के रूप में उभरे हैं, जो वैश्विक सुपरस्टार्स के भरोसेमंद सहयोगी बन चुके हैं।

सपनों से हकीकत तक

लॉस एंजिल्स पहुंचने के बाद अन्वय ने संगीत को अपनी पूर्णकालिक आजीविका बनाने का संकल्प लिया और आज वे पूरी तरह से संगीत के दम पर आर्थिक रूप से स्वतंत्र हैं। म्यूजिक टेक्नोलॉजी, लाइव साउंड और प्लेबैक इंजीनियरिंग में अपनी स्किल्स को निखारते हुए, उन्होंने मंच पर और उसके पीछे दोनों जगह अपनी अहमियत साबित की है।

संगीतकार से प्लेबैक इंजीनियर तक

मंच पर अन्वय एक संगीतकार, म्यूजिक प्रोड्यूसर, गीतकार और लीड गिटारिस्ट हैं, जो भावनात्मक गीतों को रचते हैं। मंच के पीछे, वे एक प्रमुख प्लेबैक इंजीनियर हैं, जो लाइव शो में सटीकता और रचनात्मकता लाते हैं। उनके क्रेडिट्स में फैटोग्राम (टूरिंग जिमी किमेल लाइवा), टीएलसी, एन वोग, सॉम्ब्रे, द स्वीट किल, और डेफटोन्स जैसे नाम शामिल हैं, जहां वे लीड प्लेबैक इंजीनियर, लाइव म्यूजिक प्रोड्यूसर और गिटार टेक के रूप में काम करते हैं। उन्होंने माइक सबाथ के 2025 यूएस हेडलाइन टूर के लिए प्लेबैक सिस्टम डिजाइन किया और शुभ के उत्तरी अमेरिका टूर के लिए प्लेबैक ऑपरेट किया। हाल ही में, उन्होंने कॉर्टज (11 सितंबर को लॉस एंजिल्स में प्रीमियर) के लिए लीड साउंड प्रोड्यूसर, साउंड डिजाइनर और प्लेबैक टेक की भूमिका निभाई।

ऑर्केस्ट्रा से लेकर अवांट-गार्ड तक

अन्वय की बहुमुखी प्रतिभा केवल पॉप और रॉक टूर तक सीमित नहीं है। उन्होंने मेस्ट्रो गुस्तावो दुदामेल के नेतृत्व में लॉस एंजिल्स फिलहारमोनिक के साथ हॉलीवुड बाउल, वॉल्ट डिज्नी कॉन्सर्ट हॉल, सेगस्ट्रॉम सेंटर फॉर द आर्टस और ग्रीन अम्ब्रेला म्यूजिक फेस्टिवल जैसे प्रतिष्ठित मंचों पर भी काम किया है।

मंच के पीछे का कलाकार

लॉस एंजिल्स के प्रमुख लाइव इंजीनियर्स में से एक होने के बावजूद, अन्वय ने अपनी संगीत रचनाओं को कभी नहीं रोका। उनका ब्रेकआउट सिंगल ₹दिल ने कहा₹ ने तीन सप्ताह में 1,00,000 से अधिक स्ट्रीम्स हासिल किए और स्पॉटिफाई इंडिया की प्रमुख प्लेलिस्ट्स (न्यू इन डांस, नया इंडीस्तान, न्यू म्यूजिक हिंदी) में स्थान पाया। साथही, यह रेडएफएम 93.5 बजाते रहो पर भारत के 37 शहरों में प्रसारित हुआ। उनकी लैडर्स के साथ सहयोगी रचना ₹धुआं₹ यूनिवर्सल म्यूजिक इंडिया के साथ साइन हुई और रोलिंग स्टोन इंडिया में फीचर की गई, जिसने उन्हें स्वतंत्र और मुख्यधारा दोनों मंचों पर एक उभरते सितारे के रूप में स्थापित किया।

लॉस एंजिल्स में सफलता

लॉस एंजिल्स में एक स्वतंत्र संगीतकार के रूप में जीवित रहना, और उसमें भी सफल होना, बेहद कठिन है। लेकिन अन्वय ने प्रोड्यूसर, संगीतकार, सेशन गिटारिस्ट, लाइव परफॉर्मर और प्लेबैक इंजीनियर के रूप में बहु-आयामी करियर बनाकर यह कर दिखाया। प्रत्येक भूमिका दूसरी को मजबूती देती है, जिससे उन्हें रचनात्मक स्वतंत्रता और आर्थिक स्थिरता दोनों मिली हैं।

मनीषा को न्याय दिलाने के लिए निकाला कैंडल मार्च

महिलाओं का शोषण किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीः डा. एन पी आनन्द

भारत संवाद

सहारनपुर।सामाजिक न्याय और महिला अधिकारिता बोर्ड नई दिल्ली के पूर्व महानिदेशक एवं राष्ट्रीय शोषित दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा.एन.पी. आनन्द ने कहा कि आजादी के 76 वर्षों बाद भी महिलाओं का शोषण बादस्तूर जारी है, इसके लिए सरकार कठोर नियम बनाये ताकि महिलाओं को पूर्ण सुरक्षा मुहैया करायी जा सके।

श्री आनन्द ने मनीषा हत्याकाण्ड के दोषियों को सजा दिलाने की मांग को लेकर सोनिया विहार कालोनी से एक कैंडल मार्च निकाला जो कोर्ट रोड होते हुए घंटाघर तक चलाया गया। जिसमें युवा वर्ग और महिलाओं ने साथ ही साथ अन्य सामाजिक संगठनों के द्वारा भी प्रतिभागिता करते हुए अपना सहयोग दिया गया। डॉ एनपी आनंद ने बताया कि भारत देश को आजाद हुए 76 वर्ष बीत चुके हैं किंतु आज भी हमारे देश में महिलाओं के प्रति शोषण और हिंसा के मामले आए दिन आते रहते हैं आज भी हर मिनट किसी न किसी महिला या बालिका का बलात्कार की घटनाएं,घरेलू हिंसा के मामले होते हैं।दुर्भाग्य वर्ष जिनमें से काफी समस्याओं के समाधान नहीं हो पाते और हमारी बहनें अप्रिय घटनाओं की शिकार होती है।सरकार से हमारी यही गुजारिश है कि शीघ्र बहन मनीषा के हत्यारे को सजा दिलाई जाए ताकि समाज को एक मैसेज मिले कि यदि किसी बहन बेटी के साथ कुछ गलत किया जाता है तो उसकी सजा भी होती है ताकि हत्यारे ऐसी अप्रिय घटनाओं को अंजाम देने से डरे।सुप्रीम कोर्ट में अधिवक्ता होने के नाते डॉक्टर एनपी आनंद ने बताया कि हमारे पास आए दिन इस प्रकार के केस आते रहते हैं

मण्डलायुक्त की अध्यक्षता में हुई सीएम डैश बोर्ड पर विकास कार्यों, कर-करेत्तर एवं राजस्व कार्यों की बैठक

खराब रैंकिंग वाले विभाग रैंकिंग में लाएं सुधार अन्यथा होगी कारवाईः कमिश्नर

भारत संवाद

सहारनपुर। मंडलायुक्त अटल कुमार राय की अध्यक्षता में सर्किट हाउस सभागार में सीएम डैश बोर्ड पर विकास कार्यों की समीक्षा, वृक्षारोपण की जियोटैगिंग की वर्तमान स्थिति, कर करेत्तर एवं राजस्व कार्यों, चकबन्दी कार्यों एवं वादों की प्रगति की समीक्षा बैठक आहूत की गई।

अटल कुमार राय ने निर्देश दिए कि सभी विभाग सीएम डैशबोर्ड में सर्वोच्च रैंकिंग के लिए प्रयास करें। उन्होने कहा कि सी और डी कैटेगरी वाले विभाग कार्यशैली में सुधार लाए अन्यथा की स्थिति में कारवाई के लिए तैयार रहें।ए रैंक वाले अपनी रैंकिंग यथावत बनाए रखने हेतु कोशिश करें। उन्होने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि बैठक में आवश्यक रूप से उपस्थित रहना सुनिश्चित करें एवं शासन के निदेशों एवं उच्च प्राथमिकता वालें बिन्दुओं पर गंभीरता से कार्य करें। श्रम विभाग को निर्देश दिए कि योजनाओं के संचालन में पारदर्शिता लाएं।

जनपद मुजफ्फरनगर में भवन निर्माण में ए से बी रैंकिंग होने तथा फैमिली आईडी में मुजफ्फरनगर एवं शामली की रैंकिंग पिछले माह की तुलना में खराब होने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए मुख्य विकास अधिकारी को निरीक्षण करने के निर्देश दिए।बैंकिंग क्रेडिट लिंकिंग में तीनों जनपदों में रैंकिंग खराब होने पर मण्डलीय समीक्षा बैठक में एलडीएम को बुलाने के निर्देश दिए तथा बैंकर्स के साथ बैठक करने को कहा। जल जीवन मिशन में पाईपलाइन बिछाने हेतु काटी गयी सडकों का यथाशीघ्र रेस्टोरेशन करवाने के निर्देश दिए।इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मण्डलायुक्त ने ग्रामीण क्षेत्रों में खेलों के प्रोत्साहन हेतु डिस्ट्रिक्ट लेवल ग्रामीण ओलम्पिक करवाने के लिए कहा।इसकी संरचना में ग्रामीण खिलाडियों को क्रमशः चयन की प्रतियोगिता की जाए।यह चयन गांव, ब्लॉक, जनपद एवं मण्डल स्तर पर हों।युवा आउटडोर एक्टिविटी करते समय जनप्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया जाए। अधिकारी सभी से बेहतर व्यवहार एवं समन्वय रखें।सेतुओं का निर्माण कार्य यथाशीघ्र पूर्ण किया जाए।उन्होंने आईजीआरएस प्रकरणों की समीक्षा के दौरान निर्देश दिए कि आईजीआरएस पोर्टल पर कोई भी शिकायत डिफाल्टर न हो एवं सभी शिकायतकताओं से वार्ता करें। कार्यालयों में ई-ऑफिस के संचालन में लापरवाही न हो।

फास्ट ट्रैक

थाना अदलहाट पुलिस द्वारा नाबालिग को बहला-फुसला कर भगाने व दुष्कर्म करने के अभियोग से सम्बन्धित अभियुक्त गिरफ्तार

थाना अदलहाट, जनपद मीरजापुर पर दिनांकः 18.08.2025 को एक व्यक्ति द्वारा नामजद अभियुक्त के विरूद्ध वादी की नाबालिग पुत्री को बहला-फुसला के भगा ले जाने के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गई ।उक्त के सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना चुनार पर मु0अ0सं0-269/2025 धारा 137(2),87, 352,351(3) बीएनएस पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई ।सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा उक्त घटना को गंभीरता से लेते हुए क्षेत्राधिकारी चुनार के नेतृत्व में प्रभारी निरीक्षक अदलहाट को अभियुक्त की यथाशीघ्र गिरफ्तारी करने के निर्देश दिए गए ।उक्त निर्देश के अनुक्रम में थाना अदलहाट पर पंजीकृत उपरोक्त अभियोग में पतारसी सुरागरसी एवं अग्रिम विवेचनात्मक कार्यवाही के क्रम में आज दिनांकः 30.08.2025 को उप निरीक्षक रणजीत सिंह मय पुलिस टीम द्वारा थाना अदलहाट क्षेत्रांतर्गत मां वैश्णव प्राइवेट आई.टी.आई के पास से नामजद अभियुक्त प्रकाश पुत्र शिवकुमार निवासी हासापुर थाना अदलहाट जनपद मीरजापुर को अंतर्गत धारा 65(1),137(2),87,351(3),352 बीएनएस व श पॉक्सो एक्ट में गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए मा0न्यायालय/जेल भेजा गया ।

थाना विन्ध्याचल पुलिस द्वारा आत्महत्या के लिये प्रेरित करने के अभियोग से सम्बन्धित 02 नफर अभियुक्त गिरफ्तार

थाना विन्ध्यालच, जनपद मीरजापुर पर दिनांकः 26.08.2025 को एक व्यक्ति द्वारा नामजद अभियुक्त के विरूद्ध वादी की पत्नी को आत्महत्या के लिये प्रेरित करने के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गई ।उक्त के सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना विन्ध्याचल पर मु0अ0सं0-290/2025 धारा 108 बीएनएस पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई ।सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा उक्त घटना को गंभीरता से लेते हुए क्षेत्राधिकारी नगर के नेतृत्व में थाना प्रभारी विन्ध्याचल को अभियुक्त की गिरफ्तारी के निर्देश दिए गए ।उक्त निर्देश के अनुक्रम में थाना स्थानीय पर पंजीकृत उपरोक्त अभियोग में सुरागरसी पतारसी एवं अग्रिम विवेचनात्मक कार्यवाही के क्रम में आज दिनांकः 30.07.2025 को उप-निरीक्षक गणेश पाण्डेय व उप निरीक्षक विजयशंकर तिवारी मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर सूचना के आधार पर थाना विन्ध्याचल क्षेत्रांतर्गत ग्राम गोसाइपुरवा से मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित 02 नफर अभियुक्तगण विनोद कुमार यादव पुत्र मुन्नीलाल निवासी गोसाईकापुरवा कंतित थाना विन्ध्याचल जनपद मीरजापुर

भाजपा पाठशालाएं बंद कर मधुशालाएं खोल रहीः राजकुमार भाटी

भारत संवाद

सहारनपुर। सहारनपुर लोकसभा के पूर्व सांसद व समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता हाजी फजलूर्रहमान के आवास पर समाज के गणमान्य व्यक्तियों की एक अहम बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में सहारनपुरद्मेरठ शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से समाजवादी पार्टी के एमएलसी पद के प्रत्याशी डॉ. नितिन तोमर को विजय दिलाने हेतु रणनीति तैयार की गई और समाज के विभिन्न वर्गों से समर्थन की अपील की गई। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजकुमार भाटी और एमएलसी प्रत्याशी डॉ. नितिन तोमर मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व विधायक वीरेंद्र सिंह ठाकुर ने की जबकि संचालन चैधरी अबूबकर पूर्व विधानसभा प्रभारी नकुड़ ने किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय प्रवक्ता राजकुमार भाटी ने भाजपा सरकार पर हमला बोला और कहा कि भाजपा शिक्षा व्यवस्था को पूरी तरह खत्म करने पर तुली हुई है। उन्होंने कहा कि भाजपा पाठशालाएं बंद कर रही है और मधुशालाएं खोल रही है, जिससे समाज को अशिक्षित और अंधविश्वासी बनाकर सवाल पूछने की आदत खत्म की जा सके। भाटी ने यह भी कहा कि अब तक किसी भी दल या निर्दलीय उम्मीदवार ने चुनावी मैदान में उतरने की हिम्मत नहीं दिखाई, लेकिन समाजवादी पार्टी ने सबसे पहले अपना प्रत्याशी उतारकर चुनाव की शुरूआत की है। सपा एमएलसी प्रत्याशी डॉ. नितिन तोमर ने अपने संबोधन में कहा कि समाजवादी पार्टी शिक्षकों और कर्मचारियों की पुरानी पेंशन बहाली के पक्ष में है और इसे घोषणा पत्र में शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव स्वयं शिक्षक रहे हैं, इसलिए सपा सरकार ने हमेशा शिक्षकों के हित में योजनाएं लागू की हैं। पूर्व सांसद हाजी फजलूर्रहमान ने कहा कि भाजपा सरकार शिक्षा के तानेबाने को नुकसान पहुँचा रही है और गरीब व पीडीए परिवार को शिक्षा से दूर करने की साजिश कर रही है। उन्होंने कहा कि 2027 का विधानसभा चुनाव उत्तर प्रदेश के भविष्य का चुनाव होगा और यह भविष्य तभी सुरक्षित रहेगा। कार्यक्रम में शामिल रहे प्रमुख रूप से जसवीर वाल्मीकि, मांगेराम कश्यप, लियाकत अली एडवोकेट, राव बाबर एडवोकेट, शराफत खान, चैधरी विनोद पंवार, चैधरी शैलेश प्रधान, चैधरी अमित गुज्जर देवबंद, चैधरी सुदेश गुज्जर, हाजी नवाब अंसारी, शहजाद अहमद, बाबर वसीम एडवोकेट, चैधरी विपिन पंवार, चैधरी सलीम बंजारा, फैसल सलमानी, मुन्नू खान, टिंकू अरोड़ा, फजलूर्रहमान सचिन तनेजा, सैयद जाहिद, डॉ. फिरोज आलम, मुनव्वर अहमद, बिलाल अहमद, रियाज आलम, महमूद सामानी, फुरकान मलिक, मुदस्सिर अली, महबूब प्रधान, डॉ. आबिद अंसारी, अयाज उस्मानी, जमील साबरी, अनवर खान वारसी, अमजद प्रधान, जमाल साबरी, नुसरत साबरी, तहसीन दानिश उर्फ.भूरा चैधरी, मतलूब अब्बासी, लईक लीडर, नदीम घाना, आसिम सिद्दीकी, विजेश शर्मा, जावेद अंसारी, यूशा प्रधान, आरिफ खान, अनवर मलिक, मल्लू, अनवार रंगीला आदि शामिल रहे-बैठक में मौजूद

अनियमितता बरतने पर उर्वरक की तीन दुकानों पर एफ0आई0आर0 दर्ज

एग्री स्टैक सर्वे पांच सितम्बर तक शत प्रतिशत पूर्ण करने का दिया गया निर्देश

भारत संवाद

- जिलाधिकारी ने जनपद के कई उर्वरको की दुकानों का किया औचक निरीक्षण-हेल्प डेस्क स्थापित कर सभी सर्वेयरों की नियमित की जाए समीक्षा

मीरजापुर - जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार द्वारा उर्वरक की दुकानों का औचक निरिक्षण किया गया। मेव सम्राट खाद भंडार लहंगपुर के उर्वरक गोदाम मे 319 बोरी यूरिया, 106 बोरी डी0ए0पी0, 20 बोरी एन0पी0 के पाया गया बिक्री रजिस्टर और बिक्री रसीद मे किसानों को दी गयी मात्रा में भिन्नता पायी गयी, और नैनो, जिंक इत्यादि की टेंगिग भी प्रकाश में आया। जिसको किसानों से दूरभाष नम्बर पर बात कर भी सत्यापित किया गया, जिलाधिकारी द्वारा सम्बंधित दुकान को सीज करते हुए एफ आई आर करने का निर्देश दिया गया। साधन सहकारी समिति लालगंज निरीक्षण के दौरान 20.250 मैट्रिक टन यूरिया उपलब्ध पाया गया जिसका कृषको के बीच वितरण किया जा रहा था। मेव जायसवाल खाद भंडार लालगंज के उर्वरक गोदाम मे 03 बोरी यूरिया और 70 बोरी डीएपी पाया गया। साधन सहकारी समिति पत्थरौल मे 20.430 मैट्रिक टन यूरिया उपलब्ध पाया गया, कृषको से वार्ता के दौरान सही उर्वरक वितरण की पुष्टि की गयी। इफको ई बाजार के निरिक्षण के दौरान 70 बोरी यूरिया उपलब्ध पाया गया, कृषकों द्वारा नैनो और सल्फर टेंगिग की शिकायत की गयी, उर्वरक विक्रेता को हटाने एवं दूसरे बिक्रेता को नामित करने का निर्देश दिया गया, साथ ही 1500 बोरी यूरिया और उपलब्ध कराके रविवार को वितरण का निर्देश दिया गया। किसानों द्वारा शिकायत किया गया की लालपुर मे स्थित एग्री जंक्शन केंद्र और भावा बाजार मे स्थित भारती खाद भंडार द्वारा अधिक दर पर उर्वरक का विक्रय सुबह या देर शाम मे किया जाता है, निरिक्षण के दौरान दोनों दुकानदार दुकान बन्द कर भाग गए और मोबाइल स्विच आफ कर लिए, जिसके क्रम में सम्बंधित दोनों दुकानों को सीज करते हुए एफआईआर करने का निर्देश दिया गया। जनपद में यूरिया, डीएपी उर्वरक कि पर्याप्त स्टाक मौजूद है जिसका प्रेषण नियमित रूप से कराया जा रहा है, किसान भाईयों से अपील करते हुए कहा कि जितने उर्वरक की तत्काल में आवश्यकता है उतना ही उर्वरक क्रय करे, अनावश्यक रूप से यूरिया क्रय कर भण्डारित न करें। ग्राम पंचायत मेवड़ी, लालगंज और मड़िहान में एग्री स्टैक सर्वे का भी निरिक्षण किया गया, और जिला पंचायत राज अधिकारी, सभी खंड विकास अधिकारी, सहायक विकास अधिकारी कृषि एवं पंचायत को कठोर निर्देश दिए गए की हेल्प डेस्क स्थापित कर सभी सर्वेयर की नियमित समीक्षा करें और यह सुनिश्चित करें कि प्रत्येक सर्वेयर प्रतिदिन कम से कम 200 सर्वे अवश्य करे, सर्वे कार्य को पांच सितम्बर तक शतप्रतिशत पूर्ण करा लिया जाय। यदि कही किसी विभाग के सर्वेयर द्वारा इस कार्य में लापरवाही बरती जाती है तो तत्काल संज्ञान लेकर आवश्यक कार्यवाही निरीक्षण के दौरान उप निदेशक कृषि विकेश पटेल, जिला कृषि अधिकारी डॉ अवधेश यादव, सहायक आयुक्त एवं निबंधक सहकारी समिति अमित पाण्डेय, खंड विकास अधिकारी उपस्थित रहे।

मंडलायुक्त ने स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा कर प्रगति के बारे में ली जानकारी

भारत संवाद

मीरजापुर - मंडलायुक्त विंध्याचल मंडल बालकृष्ण त्रिपाठी की अध्यक्षता में आयुक्त कार्यालय सभागार में स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक अपर निदेशक स्वास्थ्य, संयुक्त निदेशक, मण्डलीय कार्यकम/लेखा प्रबन्धक एवं अन्य मण्डलीय टीम के साथ मण्डल के समस्त मुख्य चिकित्सा अधिकरी एवं अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जिला कार्यकम अधिकारी, आई० सी० डी०एस० तथा जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा प्रतिभाग किया गया। समीक्षा बैठक का आरम्भ विगत बैठक में दिये गये निदेशों के अनुपालन पर चर्चा से की गई। बैठक में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन से आच्छादित विभिन्न कार्यक्रमों जैसे वित्तीय प्रगति समीक्षा, एच०एम० आई०एस० कार्यक्रम की समीक्षा, आर०सी०एच० कार्यक्रम की समीक्षा, कम्युनिटी प्रोसेस कार्यकम की समीक्षा, शहरी स्वास्थ्य मिशन कार्यकम की समीक्षा, क्वालिटी एश्योरेंश कार्यकम, राष्ट्रीय क्षयरोग कार्यकम, के उपलब्धियों की समीक्षा के साथ ही यूनिसेफ एवं अन्य सहयोगी संस्था समर्थित कार्यक्रमों की भी समीक्षा की गई। समीक्षा बैठक में मंडलायुक्त द्वारा समस्त कार्यकमों की गहन समीक्षा करते हुए, कम प्रगति वाले बिन्दुओं पर अप्रसन्नता करते हुए, 15 दिवस में सुधारात्मक कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि समस्त चिकित्सा इकाईयों पर जीवन रक्षक औषधियों, उपकरणों आदि की उपलब्धता एवं क्रियाशीलता एवं शीतल पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित की जाय।

थाना जमालपुर पुलिस द्वारा एक नफर वारण्टी गिरफ्तार

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मीरजापुर द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना जमालपुर पुलिस द्वारा एक नफर वारण्टी को गिरफ्तार किया गया।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना संख्या : 25/41 दिनांक : 29.08.2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से **प्रधान मुख्य सामग्री प्रबन्धक, उ0म0रे0, प्रयागराज (आई.एस.ओ.9001:2015 प्रमाणित इकाई)** निम्नलिखित मदों के लिए ई-प्रापण निविदायें आमंत्रित करते हैं-

क्र. सं.	निविदा संख्या	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	निविदा खुलने की तिथि
1	20253489	सेट ऑफ़ लेबीरिंथ एंड बियरिंग कैप (डीई) फॉर डब्लूपी-7/डब्लूएजी -9 ट्रैक्शन मोटर	392 सेट	24.09.2025
2	20253504	इन्ड फ्रेम / डीई (मशीनन्ड)	61 नग	13.10.2025
3	6324RC19B	दिस इज टेंडर टू इंटर इनटू रेट कॉन्ट्रैक्ट फॉर मैनुफैक्चर एंड सप्लाई ऑफ स्क्रू क्लैम्प फॉर फिश प्लेट विद फिटिंग टी- 5856.	19561.00 सेट.	26-Sep-25

नोट : उपरोक्त सभी ई-प्रापण निविदाओं का पूरा विवरण IREPS वेबसाईट **https://www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदाओं में किसी भी बदलाव/शुद्धि-पत्र के लिए कृपया इस वेबसाईट को नियमित रूप से देखें। समाचार-पत्र में कोई अलग से शुद्धि-पत्र/परिवर्तन प्रकाशित नहीं किया जाएगा। **1563/25 (D)**

North central railways @ CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

ई - निविदा सूचना दिनांकः 28.08.2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता, कोचिंग, प्रयागराज, उत्तर मध्य रेलवे, द्वारा निम्न लिखित कार्य के लिए निर्धारित प्रपत्र में पर्याप्त अनुभव एवं वित्तीय क्षमतावान प्रतिष्ठित ठेकेदारों से ई-निविदाएं, निविदा खुलने की तिथि के 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है -

ई निविदा सूचना संख्या : NCR-M-CNB-ACWP-03-25

कार्य का नाम- : सीएनबी में 04 वर्षों के लिए स्थापित स्वचालित कोच वाशिंग प्लांट का व्यापक वार्षिक रखरखाव और संचालन शुल्क

निविदा सिस्टमः सिंगल पैकेट सिस्टम	**कार्य का अनुमानित लागत (₹ में)** :₹ 3690239.56
बिड सिक्योरिटी : ₹ 73800/-	**ई निविदा प्रपत्र का मूल्य** : NIL
IREPS वेबसाइट पर प्रकाशन की तिथि : 28.08.2025	**कार्य की अवधिः** 48 माह
निविदा बंद होने की तिथि : 23.09.2025	

नोटः 1. उपरोक्त एकल ई- निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) IREPS वेबसाइट पर प्रकाशन की तिथि से वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होगा। **2.** ऑनलाइन एकल ई- निविदा केवल IREPS वेबसाइट पर निविदा बंद होने की तिथि के 15:00 बजे तक ऑनलाइन जमा की जा सकती है। **3.** उपर्युक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नही की जायेगी। **4.** न्यूनतम पात्रता मानदंडः इस निविदा में लागू नहीं है। **5.** किसी भी प्रकार की तकनीकि समस्या के समाधान के लिए IREPS की वेबसाइट की हेल्पलाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। **1559/25(DG)**

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

आवश्यक सूचना

भारतीय रेल द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नॉन इंटरलॉकिंग कार्य के कारण निम्नलिखित रेलगाड़ियों का निरस्तीकरण, शार्ट टर्मिनेशन एवं ओरिजिनेशन का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् हैः

रेलगाड़ियों का निरस्तीकरण

गाड़ी सं.	स्टेशन से - स्टेशन तक	प्रारंभिक स्टेशन से प्रभावी तिथि
12537	मुजफ्फरपुर-प्रयागराज	22 एवं 24.09.2025
12538	प्रयागराज-मुजफ्फरपुर	22 एवं 24.09.2025
15003	कानपुर अनवरगंज-गोरखपुर	24.09.2025 से 28.09.2025
15004	गोरखपुर-कानपुर अनवरगंज	23.09.2025 से 27.09.2025
15017	लोकमान्य तिलक (ट.)-गोरखपुर	24.09.2025 से 28.09.2025
15018	गोरखपुर-लोकमान्य तिलक (ट.)	21.09.2025 से 28.09.2025
18201	दुर्ग-नौतनवा	24.09.2025
18202	नौतनवा-दुर्ग	26.09.0025
18205	दुर्ग-नौतनवा	25.09.2025
18206	नौतनवा-दुर्ग	27.09.2025
22549	गोरखपुर-प्रयागराज	23.09.2025 से 26.09.2025
22550	प्रयागराज-गोरखपुर	23.09.2025 से 26.09.2025
22583	छपरा-लोकमान्य तिलक (ट.)	23.09.2025
22584	लोकमान्य तिलक (ट.)-छपरा	25.09.2025

रेलगाड़ियों का शॉर्ट टर्मिनेशन

गाड़ी सं.	स्टेशन से - स्टेशन तक	शॉर्ट टर्मिनेशन	प्रारंभिक स्टेशन से प्रभावी तिथि
06529	सर.एम.विश्वेश्वरय्या (ट.) बेंगलुरू-गोमती नगर	बनारस (बनारस-गोमती-नगर के मध्य निरस्त)	22.09.2025
15017	लोकमान्य तिलक (ट.)-गोरखपुर	देवरिया सदर (देवरिया सदर-गोरखपुर के मध्य निरस्त)	22.09.2025, 23.09.2025
19489	अहमदाबाद-गोरखपुर	वाराणसी (वाराणसी-गोरखपुर के मध्य निरस्त)	23.09.25 से 26.09.2025
19091	बांद्रा (ट).-गोरखपुर	वाराणसी (वाराणसी-गोरखुपर के मध्य निरस्त)	22.09.2025
19092	गोरखपुर-बांद्रा (ट.)	वाराणसी (गोरखपुर-वाराणसी के मध्य निरस्त)	23.09.2025
11037	पुणे-गोरखपुर	मऊ (मऊ-गोरखपुर के मध्य निरस्त)	26.09.2025
11038	गोरखपुर-पुणे	मऊ (गोरखपुर-मऊ के मध्य निरस्त)	27.09.2025
11055	लोकमान्य तिलक (ट.)-गोंडा	भटनी 18:20 बजे आगमन (भटनी-गोरखपुर के मध्य निरस्त)	22 एवं 24.09.2025
12165	लोकमान्य तिलक (ट.)-गोरखपुर	वाराणसी (वाराणसी-गोरखपुर के मध्य निरस्त)	22,25 एवं 26.09.2025

रेलगाड़ियों का शॉर्ट ओरिजिनेशन

गाड़ी सं.	स्टेशन से - स्टेशन तक	शॉर्ट ओरिजिनेशन	प्रारंभिक स्टेशन से प्रभावी तिथि
06530	गोमतीनगर-सर.एम. विश्वेश्वरय्या (ट.)-बेंगलुरू	बनारस (गोमती नगर बनारस के मध्य निरस्त)	26.09.2025
19490	गोरखपुर-अहमदाबाद	वाराणसी (गोरखपुर-वाराणसी के मध्य निरस्त)	24.09.25 से 27.09.2025
11056	गोंडा-लोकमान्य तिलक (ट.)	भटनी 08:03 बजे प्रस्थान (गोरखपुर-भटनी के मध्य निरस्त)	24.09.2025 एवं 26.09.2025
12166	गोरखपुर-लोकमान्य तिलक (ट.)	वाराणसी (गोरखपुर-वाराणसी के मध्य निरस्त)	23,26 एवं 27.09.2025
15003	कानपुर अनरवरगंज-गोरखपुर	भटनी (भटनी-गोरखपुर के मध्य निरस्त)	23.09.2025

रेलगाड़ियों का रेग्युलेशन/रिशेड्यूलिंग

गाड़ी सं.	स्टेशन से - स्टेशन तक	रेग्युलेशन/ ओरिजिनेशन	प्रारंभिक स्टेशन से प्रभावी तिथि
22584	लोकमान्य तिलक (ट.)-छपरा	लोकमान्य तिलक (ट.) से 120 मिनट	25.09.2025

नोटः ट्रेनों की समय-सारणी के सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@ CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 1572/25 FA

विंध्य कॉरिडोर से तीर्थ यात्रियों की सुविधाओं में व्यापक बदलाव : डॉ दिलीप अग्निहोत्री

राज्य सूचना आयुक्त ने विंध्याचल पहुंच कर मां विंध्यवासिनी देवी का किया दर्शन पूजन

भारत संवाद

मीरजापुर, राज्य सूचना आयुक्त डॉ दिलीप अग्निहोत्री ने आज मां विंध्यवासिनी देवी के धाम विंध्याचल पहुंच कर मां विंध्यवासिनी देवी का विधि-विधान व मंत्रोच्चार के साथ दर्शन पूजन किया। तीर्थ पुरोहित प. धीरज मिश्र द्वारा दर्शन मंत्रोच्चार के साथ दर्शन पूजन कराया गया। माननीय आयुक्त ने कहा कि विंध्य कॉरिडोर से तीर्थ यात्रियों की सुविधाओं में व्यापक सुधार हुआ है। विंध्याचल में उन्होंने कहा कि शक्ति पीठों में मां विंध्यवासिनी धाम का विशेष महत्व है। एक तरफ मां गंगा दूसरी तरफ विंध्य पर्वत शृंखला इस पूरे क्षेत्र को सुरम्य बनती है। इसके साथ ही यहां काली खोह और अष्टभुजा देवी का भी धाम है विंध्यवासिनी काली खोह और अष्टभुजा धाम आध्यात्मिक त्रिकोण का निर्माण करते हैं। साधना की दृष्टि से यह सिद्ध क्षेत्र है। नवदुर्गा की अवधि में यहां साधक विशेष अनुष्ठान करते हैं। दूर-दूर से यहां दर्शनार्थी पहुंचते हैं। विंध्यवासिनी धाम को नव्य और भव्य बनाने के लिए 2021 में कॉरिडोर का निर्माण शुरू हुआ था। आधुनिक सुविधाओं के साथ ही सुगम आवागमन के लिए गलियों का कायाकल्प किया गया है। यहां चार प्रमुख मार्गों पर प्रवेश द्वार बनाया गया है। मुख्य मंदिर के चारों तरफ पचास फीट चौड़ा परिक्रमा पथ बनाया गया है।

आवश्यक सूचना

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए निम्नलिखित रेलगाड़ियों का ठहराव निम्न स्टेशनों पर प्रदान किये जाने का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् हैः-

गाड़ी सं. एवं नाम	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान	तिथि से प्रभावी	प्रारम्भिक स्टेशन से प्रभावी तिथि
19051 वलसाड-मुजफ्फरपुर एक्स.	गाजीपुर सिटी	00:59	01:01	08.09.25	06.09.25
19052 मुजफ्फरपुर-वलसाड एक्स.	गाजीपुर सिटी	01:05	01:07	09.09.25	08.09.25
19165 अहमदाबाद-दरभंगा एक्स.	सरायमीर	07:40	07:42	05.09.25	03.09.25
19166 दरभंगा-अहमदाबाद एक्स.	सरायमीर	14:25	14:27	03.09.25	03.09.25
12537 मुजफ्फरपुर-प्रयागराज एक्स.	कप्तानगंज जं.	00:48	00:50	04.09.25	03.09.25
12538 प्रयागराज-मुजफ्फरपुर एक्स.	कप्तानगंज जं.	12:38	12:40	03.09.25	03.09.25
15084 फर्रूखाबाद-छपरा एक्स.	खोरासन रोड	03:01	03:03	03.09.25	02.09.25
15084 फर्रूखाबाद-छपरा एक्स.	सरायमीर	03:11	03:13	03.09.25	02.09.25

नोटः ट्रेनों की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail Madad Mobile Aap या वेबसाईट www.railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करे।

उत्तर मध्य रेलवे

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @ CPRONCR 1569/25(MG)

भारत संवाद परिवार 1-संरक्षक-भारत संवाद डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित, 2-संरक्षक-भारत संवाद, आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ, 3-संरक्षक-भारत संवाद गजानन महतपुरकर, (सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त), 4-कला एवं मनोरंजन संपादक (भारत संवाद), जगन्नाथ तिवारी, 5-उपसंपादक (भारत संवाद), माता प्रसाद शर्मा, 6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण आशीष कुमार शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक अरविन्द कुमार शर्मा द्वारा रमा प्रिंर्टिंग प्रेस 53/25/1-ए बेली रोड नया कटरा इलाहाबाद से मुद्रित एंव ज्ञान गंगा कालोनी सराय तकी झूंसी प्रयागराज से प्रकाशित। संपादक- अरविन्द कुमार शर्मा ।फोन नं०.05324012522 मो०-9455137214,9935750291,E mail-bharatsamvad2009@gmail.com RNI No-UPHIN/2009/30939 (किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र इलाहाबाद उच्च न्यायालय होगा)।

सौंधी गीली-सूखी मिट्टी के हैं अचूक फायदे

यह देखा जाता है कि जब कोई जानवर बीमार होता है तो रोग की दशा में पृथ्वी की शक्ति का वह खास तौर पर उपयोग करता है। घायल हुए जानवर तालाब या पोखर के कीचड़ में जा लेटते हैं और अपने आप को स्वस्थ बना लेते हैं।

गीली मिट्टी के लाभकारी प्रयोग

महीन पिसी हुई मिट्टी को पानी के साथ घोलकर कीचड़ जैसा बना लें एवं उसको शरीर पर लेपकर सुखा लीजिए, कुछ देर बाद मिट्टी सूखने लगती है। फिर ठंडे या गुनगुने पानी से स्नान कर लेने से अनेक रोग दूर हो जाते हैं।

मिट्टी चिकित्सा के अन्य प्रयोग

रोग होने पर आवश्यकतानुसार निम्नलिखित प्रयोगों से उपचार किया जाता है।(1) मिट्टी की गरम पट्टी (2) मिट्टी की ठंडी पट्टी (3) गरम मिट्टी की पट्टी (4) रज स्नान (5) पंक स्नान (6) बालू भक्षण।

सूखी मिट्टी के लाभकारी प्रयोग

बिजली के मारे या सांप के काटे हुए व्यक्ति को यदि जमीन में करीब दो हाथ गहरा गड्ढा खोदकर उसमें बैठा दिया जाए और गीली मिट्टी से गर्दन और सिर खुला रखकर उसे भर दिया जाए तो 1 से 24 घंटे तक में रोगी के शरीर से जहर निकल जाएगा और वह मरने से बच जाएगा।

शुद्ध साफ मिट्टी को कपड़ा छानकर लीजिए और उसे पूरे अंग पर रगड़िए। पूरे शरीर पर रगड़ने के बाद 10 से 20 मिनट धूप में बैठ जाइए। तत्पश्चात शीतल जल से स्नान कर लें। यह सूखी मिट्टी का स्नान है।

लाभ – त्वचा नरम, लचीली एवं कोमल हो जाती है। रोमकूप खुल जाते हैं। इससे शरीर के विजातीय तत्व पसीने के रूप में बाहर आने लगते हैं। त्वचा के छिद्र भरपूर श्वास लेने लायक हो जाते हैं जिससे त्वचा के अनेक रोग, चर्मरोग, दाद, खाज-खुजली, फोड़े-फुंसियां दूर होने लगती हैं। आयुर्विज्ञान में इसको 'रज स्नान' कहा गया है।

- छान्दोग्य उपनिषद् में मिट्टी को अन्य पंच तत्वों जल, पावक, गगन तथा समीर का सार कहा गया है। स्वास्थ्य सौन्दर्य और दीर्घायु का मिट्टी से प्रगाढ़ सबंध होता है। मिट्टी में अनेक रोगों के निवारण की अद्भुत क्षमता होती है।
- मिट्टी में अनेकों प्रकार के क्षार, विटामिन्स, खनिज, धातु, रासायन रत्न, रस आदि की उपस्थिति उसे औषधीय गुणों से परिपूर्ण बनाती है। औषधियां कहां से आती है? जबाब होगा पृथ्वी, मतलब सारे के सारे औषधियां के भंडार होता पृथ्वी। अत: जो तत्व औषधियों में है, उनके परमाणु पहले से ही मिट्टी में उपस्थित रहते हैं।
- मिट्टी कई प्रकार की होती है तथा इसके गुण भी अलग-अलग होते हैं। उपयोगिता के दृष्टिकोण से पहला स्थान काली मिट्टी का है, उसके बाद पीली, सफेद और उसके बाद लाल मिट्टी का स्थान है। मिट्टी के विभिन्न प्रकारों और उनकी उपयोगिता को ध्यान में रखकर मिट्टी का चयन करना चाहिए। इसके उपयोग के पहले कुछ बातें जरूर ध्यान में रखें.
- मिट्टी चाहे किसी भी रंग या प्रकार की हो, उसका प्रयोग करते समय यह सुनिश्चित कर लें कि वह साफ-सुथरी हो, उसमें कंकड़, पत्थर, तिनके आदि न हों।
- जहां से मिट्टी लें वह स्थान भी साफ सुथरा होना चाहिए किसी कूड़े के ढेर के पास से मिट्टी न लें। यदि किसी खेत से मिट्टी ली जाए तो एक या डेढ़ फीट जगह खोदकर ही लेनी चाहिए।
- तालाब या नदी के तट की मिट्टी बहुत लाभदायक होती है। दो पकार की मिट्टियों को मिलाकर भी प्रयोग किया जा सकता है। बालू मिश्रित मिट्टी बहुत उपयोगी होती है।

विभिन्न किस्म की मिट्टी के प्रयोग

काली मिट्टी

यह मिट्टी चिकनी और काली होती है। इसके लेप से ठंडक पहुंचती है। साथ ही यह विष के प्रभाव को भी दूर करती है। यह सूजन मिटाकर तकलीफ खत्म कर देती है। जलन होने, घाव होने, विषैले फोड़े तथा चर्मरोग जैसे खाज में काली मिट्टी विशेष रूप से उपयोगी होती है। रक्त के गंदा होने और उसमें विषैले पदार्थों के जमाव को भी यह मिट्टी कम करती है। पेशाब रुकने पर यदि पेडू के ऊपर (पेट की नीचे) काली मिट्टी का लेप किया जाता है तो पेशाब की रुकावट समाप्त हो जाती है और वह खुलकर आता है। मधुमक्खी, कनखजूर, मकड़ी, बर्रे और बिच्छू के द्वारा डंक मारे जाने पर प्रभावित स्थान पर तुरंत काली मिट्टी का लेप लगाना चाहिए इससे तुरंत लाभ पहुंचता है।

पीली, सफेद व लाल मिट्टी

तालाबों तथा नदियों के किनारे पाई जाने वाली यह मिट्टी भी काली मिट्टी के समान ही लाभकारी होती है। सफेद मिट्टी से होने वाले लाभ भी पीली मिट्टी के समान ही हैं। लाल मिट्टी पहाड़ों पर मिलती है। इसके लाभ सफेद मिट्टी से कुछ कमतर होते हैं।

सज्जी मिट्टी

इस मिट्टी के प्रयोग से शरीर की पूरी तरह सफाई हो जाती है। यदि हड्डियां भंगुर और टूटती-सी प्रतीत होती हों तो इस मिट्टी के लेप से बहुत लाभ होता है। जोड़ों के दर्द में इस मिट्टी के लेप से विशेष लाभ पहुंचता है।

गेरू मिट्टी

लाल रंग की इस मिट्टी का प्रयोग मिट्टी खाने वाले बच्चों को मिट्टी के दुष्प्रभावों से बचाने के लिए किया जाता है। गेरू को घी में तलकर शहद मिलाकर देने से बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार आता है। जिनका स्वास्थ्य मिट्टी खाने की आदत के कारण बिगड़ गया है।

गोपी चन्दन

सफेद रंग की मिट्टी का लेप मस्तक पर लगाने से दिमाग की गरमी दूर होती है। सिर चकराने तथा सिर दर्द जैसी समस्याओं का निवारण भी इससे हो जाता है। मुंह में छाले होने की स्थिति में, पहले इस का लेप लगाना चाहिए तथा आधे घंटे बाद सादे पानी से कुल्ले कर लेने चाहिएं, छाले दूर हो जाएंगे।

मुल्तानी मिट्टी

गर्मियों में होने वाली घमौरियों के उपचार में मुल्तानी मिट्टी अचूक औषधि है। शरीर पर इसका पतला-पतला लेप खून की गर्मी को कम करता है। उबटन की तरह मुल्तानी मिट्टी का पयोग सुख और शरीर की कान्ति बढ़ाता है। तेज बुखार में तापमान तुरंत नीचे लाने के लिये सारे शरीर पर इसका मोटा-मोटा लेप करना चाहिए। सौंदर्य के लिए इसका विष प्रयोग होता है।

बालू

नदी या समुद किनारे की बालू शरीर की जलन, ताप तथा दाह को शांत करती है। सिर तथा मुंह को छोड़कर, सारे शरीर पर बालू चढ़ाकर घंटे भर पड़ा रहना, घबराहट, शारीरिक ताप, जलन और दाह को दूर करने का सबसे अच्छा उपाय है। आधी चिकनी मिट्टी और आधी बालू मिलाकर बनाए गए लेप की पट्टी बहुत लाभदायक होती है।

इन आसान तरीकों से मिलेगी पेट की हर समस्या से निजात

पेट में गडबडी आम समस्या है, जिसके अलग-अलग कारण हो सकते हैं। क्यों ना इसका तुरंत समाधान कर चुस्त रहा जाए महिलाएं पेट की गडबडी की अधिक शिकार होती हैं। इसके कुछ कारण तो बहुत सामान्य होते हैं, पर कुछ ?से भी होते हैं, जिनके बारे में ज्यादा मालूम नहीं होता, इसलिए उस ओर हमारा ध्यान भी नहीं जाता। कौन से हैं ये कारण, इस बारे में एक जानकारी।

हारमोन कई महिलाएं माहवारी शुरू होने से पहले पेट में भारीपन, कब्ज और अतिसार की शिकायत करती हैं। माहवारी के शुरू होते ही स्थिति में अचानक बदलाव आता है और यह समस्या अपने आप दूर हो जाती है। सन डियागो में गैस्ट्रोएंट्रोलॉजिस्ट डॉ के अध्ययनो से पता चलता है कि एस्ट्रोजन हारमोन नसों के तंतुओं को प्रेरित कर आंतो से गुजरने वाले मल की गति को बढा देता है। इसी तरह माहवारी के पहले और माहवारी के दौरान पेट का फूलना एक आम समस्या है। इसका कारण प्रोजस्ट्रॉन हारमोन के स्तर में बदलाव आना है, जो गुर्दे के लिए पानी और नमक को रोककर रखने का संकेत हो सकता है। गर्भवती महिलाओं में पेट की गडबडी, खासतौर से खट्टी डकारें आने की समस्या अधिक होती है। अमेरिकन गैस्ट्रो एंट्रोलॉजिकल एसोसिएशन के अनुसार 30 से 50 प्रतिशत गर्भवती महिलाएं इस समस्या की शिकार होती है। इसका कारण हारमोनल और शारीरिक बदलाव होता है। कुछ अध्ययनों से पता चलता है कि कैल्शियम सप्लीमेंट लेने से पेट के फूले होने और प्रीमेंस्टुरअल सिंड्रोम के अन्य लक्षणों में सुधार हो सकता है। इसके साथ ही पानी भी अधिक मात्रा में पिएं। खट्टी डकारें खासतौर से गर्भावस्था में छुटकारा पाने के लिए रात को सिर के नीचे कई तकिए लगा कर सोएं। सिट्रस, पिपरमिंट, मिर्च-मसालेदार या फिर टमाटर से बनी चीजें खाने से परहेज करे, क्योंकि ये इस समस्या को बढावा देती हैं। तनाव वास्तव में हमारे पेट में एक अलग से नर्वस सिस्टम तंत्रिका तंत्र होता है, जो लाखों-करोडों नर्व कोशिकाओं से मिलकर बना होता है। न्यूयार्क की कोलंबिया युनिवर्सिटी के माइकल गर्शन के अनुसार जब हम तनावग्रस्त होते हैं, तो दिमाग हमारे पेट को एसिड अधिक बनाने और आंतो के सिकुडने के काम में तेजी लाने संबंधी सिगनल भेजता है, जिससे खट्टी डकारें आती हैं, मरोड उठते हैंऔर अतिसार पेचिश हो जाता है। हमारा शरीर भी कुछ ?से हारमोन और रसायन पैदा करता है, जिससे हमारी पाचन क्रिया प्रणाली सुस्त या फिर ज्यादा सक्रिय हो जाती है। वास्तव में दिमाग और पेट के बीच इतना जबर्दस्त संबंध होता है कि जीवन मे तनावपूर्ण लम्हों जैसा तलाक या परिवार में किसी की मौत का असर प्राय: पेट की गडबडियों के रूप में देखने को मिलता है। शरीर का 95 प्रतिशत सेरोटोनिन ''एक ?सा न्यूरोट्रांसमीटर''''जिसका संबंध उत्तेजना और अवसाद से है'' पेट में बनता है। यही वजह है कि एंटीडिप्रेसेंट दवाएं, जो सेरोटोनिन के स्तर को प्रभावित करती हैं, गंभीर पाचन संबंधी रोगों में मददगार हो सकती हैं।

इलाज क्या हो

रोज कम से कम 15 मिनट अपने को रिलेक्स करने के लिए निकालें। चाहें तो इस समय में अपनी किसी सहेली से बात क रें, अपनी मनपसंद पत्रिका पुस्तक पढें या फिर तेज चले। योग करें या ध्यान लगाएं। ?सी सेहतमंद डाइट लें, जिसमे रेशे पर्याप्त मात्रा में हों। किसी भी तरह का व्यायाम तनाव को कम करने में सहायक होता है।

पोषक तत्वों से भरपूर है खीरा

खीरा में मौजूद प्रोटीन, वसा, मैग्नीशियम, कार्बोहाइड्रेट, लोहा, और फास्फोरस, विटामिन ए, बी सी सहित कई पोषक तत्व शरीर में ऊर्जा बनाए रखते हैं। गर्मी के सीजन में शरीर को पानी की ज्यादा जरूरत होती है। इसलिए खीरे का इस्तेमाल अधिक होता है। खीरे का इस्तेमाल सलाद के रूप में करते हैं। यह क्षारीय और खनिज तत्वों से भरपूर होता है। इसमे पोटेशियम होता है, जो हाई ब्लड प्रेशर के शिकार लोगों का ब्लड प्रेशर कम करने में मदद करता है। खीरा खाने से खूब पेशाब आता है। यह अल्सर के इलाज में प्रभावकारी है। खीरे में स्टेरोल्स नामक यौगिक होने के कारण शरीर में कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने में मदद करता है।

- खीरा में पोषक तत्व काफी होते है जो शरीर को लाभदायक है। यह मधुमेह के रोगियों के लिए बहुत अच्छा माना जाता है। खीरा खाने से मुंह की दुर्गंध कम होती है साथ ही मुंह के बैक्टीरिया को भी मारता है। खीरा गुर्दे की समस्याओं को दूर करने का काम करता है।
- खारी त्वचा के लिए बहुत लाभदायक होता है। खीरे में मौजूद पोषक तत्व होने से त्वचा में निखार आता है।

सिर्फ बालों के लिए नहीं है नारियल तेल इन्हें भी आजमाएं

आमतौर पर नारियल तेल को बालों के लिए उपयोगी माना जाता है लेकिन क्या आप जानते हैं कि इस तेल के और भी कई गुणकारी प्रयोग हैं.चलिए जानते हैं.

- रूखे और फटे होंठों पर सुबह शाम नारियल तेल लगाएं। रूखेपन की समस्या खत्म हो जाएगी।
- फटी एड़ियों के लिए रात में सोने से पहले पेट्रोलियम जैली के साथ नारियल तेल की मालिश करें। सुबह गुनगुने पानी से पैर धो लें।
- धब्बों की समस्या से परेशान हैं तो आधा चम्मच नारियल तेल में आधे नींबू का रस निचोड़े और चेहरे और कोहनी पर रगड़े, फिर गुनगुने पानी से धो लें।
- आंखों का मेकअप साफ करने के लिए कॉटन बॉल पर थोड़ा सा नारियल तेल डाले और हल्के हाथों से आंखों को साफ करें।
- नारियल के तेल की नहाने से पहले या फिर नहाने के बाद भी मालिश की जा सकती है। इससे त्वचा मुलायम और चमकदार रहेगी।
- बदन पर किसी भी तरह की खुजली हो नारियल तेल में कपूर मिलाकर त्वचा पर लगाएं और फायदा खुद देखें।

अमेरिकी कोर्ट ने ट्रम्प के ज्यादातर टैरिफ को गैर-कानूनी बताया

फिलहाल रोक नहीं; ट्रम्प बोले- टैरिफ हटे तो अमेरिका बर्बाद हो जाएगा

एजेंसी

वॉशिंगटन डीसी, अमेरिका की एक अपील कोर्ट ने ट्रम्प के ज्यादातर टैरिफ को गैरकानूनी बताया है। कोर्ट का कहना है कि ट्रम्प ने इन टैरिफ को लागू करने के लिए जिस कानून का सहारा लिया, वह उन्हें यह अधिकार नहीं देता। कोर्ट ने कहा कि ट्रम्प के पास हर आयात पर टैरिफ लगाने की असीमित शक्ति नहीं है। हालांकि, कोर्ट ने इस फैसले को अक्टूबर तक लागू करने से रोक दिया है, ताकि ट्रम्प सुप्रीम कोर्ट में अपील कर सकें। ट्रम्प ने इस फैसले की कड़ी आलोचना करते हुए सोशल मीडिया पर लिखा कि अगर ये टैरिफ हटे, तो अमेरिका बर्बाद हो जाएगा। ट्रम्प ने चीन, कनाडा, मेक्सिको जैसे देशों पर व्यापार घाटे और अन्य कारणों से टैरिफ लगाए थे। उन्होंने तर्क दिया था कि अमेरिका का व्यापार घाटा ही राष्ट्रीय आपातकाल है। ट्रम्प ने इन कानूनों को अंतर्राष्ट्रीय आपातकालीन आर्थिक शक्ति अधिनियम (आईईईईपीए) के तहत सही ठहराया था। उनका कहना था कि

व्यापार असंतुलन अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा है और इसलिए उन्होंने व्यापार पर नेशनल इमरजेंसी घोषित कर टैरिफ लगाए। अब कोर्ट ने इसे खारिज कर दिया और कहा कि शुल्क लगाना राष्ट्रपति के अधिकार में नहीं आता, यह शक्ति केवल संसद के पास है। 7-4 के बहुमत से दिए गए इस फैसले में अदालत ने साफ लिखा कि 1977 में जब कांग्रेस ने आईईईईपीए कानून बनाया था, तब उसका मकसद राष्ट्रपति को बिना सीमा के शुल्क लगाने की ताकत देना नहीं था। यह फैसला छोटे व्यवसायों और अमेरिकी राज्यों के गठबंधन द्वारा दायर मुकदमों पर आया है। कोर्ट ने कहा कि ट्रम्प 150 दिनों तक 15% टैरिफ लगा सकते हैं, लेकिन इसके लिए ठोस कारण चाहिए। फैसले में कहा गया कि आईईईईपीए में टैरिफ शब्द का कहीं जिक्र नहीं है और न ही इसमें राष्ट्रपति के अधिकारों पर कोई स्पष्ट सीमा तय की गई है। कोर्ट ने यह भी कहा कि जब संसद चाहती है कि राष्ट्रपति को शुल्क लगाने का अधिकार दिया जाए, तो वह इसे कानून में साफ-साफ लिखती है। ट्रम्प प्रशासन ने भारत पर 50% टैरिफ लगाया है, जो 27 अगस्त से लागू हो गया है। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) की रिपोर्ट के मुताबिक, यह नया टैरिफ भारत के लगभग ?5.4 लाख करोड़ के एक्सपोर्ट को प्रभावित कर सकता है। 50% टैरिफ से अमेरिका में बिकने वाले कपड़े, जेम्स-ज्वेलरी, फर्नीचर, सी फूड जैसे भारतीय प्रोडक्ट्स महंगे हो जाएंगे।

इससे इनकी मांग में 70% की कमी आ सकती है। चीन, वियतनाम और मेक्सिको जैसे कम टैरिफ वाले देश इन सामानों को सस्ते दाम पर बेचेंगे। इससे भारतीय कंपनियों की अमेरिकी बाजार में हिस्सेदारी कम होगी। ट्रम्प ने 6 अगस्त को रूस से तेल खरीद पर जुमार्ने के तौर पर इस टैरिफ का ऐलान किया था। वहीं, व्यापार घाटे का हवाला देकर 7 अगस्त से भारत पर 25% टैरिफ लगा दिया था। भारत, चीन के बाद रूसी तेल का सबसे बड़ा खरीदार है। यूक्रेन युद्ध से पहले भारत रूस से सिर्फ 0.2% (68 हजार बैरल प्रतिदिन) तेल इम्पोर्ट करता था। मई 2023 तक यह बढ़कर 45% (20 लाख बैरल प्रतिदिन) हो गया, जबकि 2025 में जनवरी से जुलाई तक भारत हर दिन रूस से 17.8 लाख बैरल तेल खरीद रहा है। पिछले दो साल से भारत हर साल 130 अरब डॉलर (11.33 लाख करोड़ रुपए) से ज्यादा का रूसी तेल खरीद रहा है।

प्रधानमंत्री, रक्षामंत्री समेत पूरी कैबिनेट को ही निपटा दिया

मोसाद ने कहां चलाया अब तक का सबसे बड़ा ऑपरेशन

एजेंसी

जब दुनिया के कई देश ट्रंप के टैरफ वॉर से निपटने की तैयारी में लगे थे। उस वक्त इजरायल ने दुनिया की सबसे बड़ी स्ट्राइक कर दुनिया को चौंका दिया। ईरान के प्रॉक्सी और समुदर में बड़ी बड़ी महाशक्तियों पर भारी पड़ने वाली हूति विद्रोहियों की पूरी लीडरशिप को इजरायल की वायुसेना और खुफिया एजेंसी मोसाद ने एक साथ खत्म कर दिया। इजरायल ने एक बार फिर से दुनिया को दिखाया कि उससे दुश्मनी करने वाला दुनिया के किसी भी कोने में छिपा हो। खुद को कितना भी ताकतवर और सुरक्षित समझता हो इजरायल उसे तलाश करके खत्म

करके ही दम लेता है। मोसाद के इस ऑपरेशन को इजरायल की खुफिया एजेंसी का अब तक का सबसे बड़ा ऑपरेशन कहा जा रहा है। इजरायल ने इस ऑपरेशन को ए ड्रॉप ऑफ लक नाम दिया। जिसने दुनिया के लिए सिरदर्द बने हूती के प्रधानमंत्री, रक्षा मंत्री और चीफ ऑफ स्टॉफ यानी सेना प्रमुख को एक साथ मार दिया। इस हमले में हूती के 10 से ज्यादा मंत्री भी मारे गए। यमन की राजधानी सना में इजराइल ने 28 अगस्त को हूती विद्रोहियों पर बड़ा हवाई हमला किया। इस हमले में हूती पीएम अहमद अल-रहावी की मौत हो गई। इजराइली अखबार टाइम्स ऑफ इजराइल की रिपोर्ट्स के मुताबिक, हूती रक्षा मंत्री मोहम्मद नासिर अल-अतीफी और चीफ ऑफ स्टाफ मुहम्मद अब्द अल-करीम अल-घमारी भी मारे गए होने की आशंका है। यमन के अल जुम्हरिया चैनल के अनुसार, पीएम अल-रहावी और उनके सहयोगियों को एक अपार्टमेंट में थे तब इजराइल ने हमला किया था। बताया जा रहा है कि ये नेता हूती प्रमुख अब्दुल मलिक अल-हूती का भाषण देख रहे थे। उधर, इजराइली आर्मी ने पुष्टि की कि सना में सैन्य ठिकानों और राष्ट्रपति भवन को निशाना बनाया गया। इजराइली रक्षा मंत्री इसराइल काट्ज ने चेतावनी दी कि जो भी इसराइल के खिलाफ हथियार उठाएगा, उसका अंजाम बुरा होगा। हालांकि, यमनी अधिकारियों ने बताया कि इस हमले में 10 लोग मारे गए और 90 घायल हुए। हालांकि, अभी तक इजराइली सेना ने हूती नेतृत्व की मौत की आधिकारिक पुष्टि अभी तक नहीं हुई है।

> इजरायल ने एक बार फिर से दुनिया को दिखाया कि उससे दुश्मनी करने वाला दुनिया के किसी भी कोने में छिपा हो। खुद को कितना भी ताकतवर और सुरक्षित समझता हो इजरायल उसे तलाश करके खत्म करके ही दम लेता है। मोसाद के इस ऑपरेशन को इजरायल की खुफिया एजेंसी का अब तक का सबसे बड़ा ऑपरेशन कहा जा रहा है।

सोशल मीडिया पर ट्रेंड कर रहा 'ट्रम्प इज डेड'

दाहिने हाथ पर चोट का निशान वायरल; उपराष्ट्रपति वेंस ने कहा था- लीडरशिप के लिए तैयार हूं

एजेंसी

वॉशिंगटन डीसी, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की सेहत से जुड़े पोस्ट ट्रेंड कर रहे हैं। इन पोस्ट में 'ट्रम्प इज डेड' (ट्रम्प की मौत हो गई) लिखा है। शनिवार को ट्रम्प की मौत से जुड़े 60 हजार से ज्यादा पोस्ट शेयर किए गए हैं। जुलाई में 79 साल के ट्रम्प के हाथ पर चोट के निशान और पैरों में सूजन की तस्वीरें सामने आने के बाद से ही उनकी सेहत चर्चा में है। व्हाइट हाउस ने उस समय इन अफवाहों को खारिज किया था। अब 27 अगस्त को उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के इंटरव्यू के बाद ट्रम्प के सेहत पर फिर बहस तेज हो गई। दरअसल, वेंस ने यूएसए टुडे को कहा था कि, किसी भी बुरी परिस्थिति में वो देश का नेतृत्व करने के लिए तैयार हैं। हालांकि, उन्होंने ये भी कहा कि अभी ट्रम्प पूरी तरह ठीक हैं। फिलहाल, व्हाइट हाउस ने इस अफवाह पर कोई टिप्पणी नहीं की है। फरवरी,2025 में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और जुलाई में यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उसुर्ला वॉन डेर लेयेन के साथ मुलाकात के दौरान सबसे पहले ट्रम्प के हाथ पर चोट और मेकअप के निशान देखे गए थे। इसके बाद ट्रम्प की सेहत से जुड़ी अटकलें तेज हो गई थी। इस समय व्हाइट हाउस ने बताया था कि ट्रम्प की नसों की बीमारी क्रॉनिक वेनस इनसफिशिएंसी अइ9 से ग्रसित हैं। इसके कारण उनके पैरों में सूजन रहती है। व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट ने प्रेस

कॉन्फ्रेंस में बताया कि 70 साल से ज्यादा उम्र को लोगों में यह बीमारी कॉमन है। लेविट ने बताया कि राष्ट्रपति की हथेलियों पर चोट के निशान हैं, जो मामूली सॉफ्ट टिशू इरिटेशन है। यह एस्पिरिन के सेवन के साइन इफेक्ट और बार-बार लोगों से हाथ मिलाने के कारण होता है। 13 जुलाई 2025 को न्यू जर्सी के मेटलाइफ स्टेडियम में फीफा क्लब वर्ल्ड कप के फाइनल के दौरान ट्रम्प के पैरों में सूजन देखी गई थी। फिर, 16 जुलाई को बहरीन के प्रधानमंत्री सलमान बिन हमद अल खलीफा से मुलाकात के दौरान ट्रम्प के हाथों में चोट के निशान वाली तस्वीरें सामने आई थीं। इसके बाद सोशल मीडिया पर बहस होने लगीं कि ट्रम्प अपनी स्वास्थ्य समस्या छिपा रहे हैं। व्हाइट हाउस ने बताया कि ट्रम्प ने अपने पैरों के निचले हिस्से में हल्की सूजन देखी थी। इसके बाद उन्होंने जांच करवाई और सबको रिपोर्ट की जानकारी बताने का निर्देश दिया। व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी लेविट ने बताया था कि राष्ट्रपति के निचले अंगों के दोनों तरफ वेनस डॉपलर अल्ट्रासाउंड किए गए, जिससे पता चला कि उन्हें क्रोनिक वेनस इनसफिशिएंसी एबी9 है। जांच में अन्य गंभीर हृदय रोग या किडनी की बीमारी का पता नहीं चला था। लेविट ने कहा, 'जांच रिपोर्ट में डीप वेन थ्रोम्बोसिस या धमनी रोग का भी कोई सबूत नहीं मिला। ट्रम्प का कम्प्लीट ब्लड काउंट, मेटाबोलिक पैनल, डी-डाइमर, बीटी टाइप के नैट्रियोटिक पेप्टाइड और कार्डिएक बायोमार्कर जांच भी हुआ। सभी रिपोर्ट्स नॉर्मल आए। 25 अगस्त को साउथ कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग के साथ मुलाकात के दौरान ट्रम्प के दाहिने हाथ पर चोट के निशान दिखा था, जिसे मेकअप से छुपाने की कोशिश की गई थी। जुलाई में व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा था, 'राष्ट्रपति ट्रम्प जनता के बीच सबसे ज्यादा समय बिताते हैं और रोजाना सैकड़ों लोगों से हाथ मिलाते हैं। इसके कारण ये निशान बने हैं।'

इंडोनेशिया के क्षेत्रीय संसद भवन में भीड़ ने आग लगाई, तीन लोगों की मौत

एजेंसी

इंडोनेशिया की एक प्रांतीय राजधानी में गुस्साई भीड़ ने स्थानीय संसद भवन में आग लगा दी, जिसमें कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और पांच अन्य झुलस गए। दक्षिण सुलावेसी प्रांत की राजधानी मकास्सर में शुक्रवार देर रात आग लगा दी गई। टेलीविजन पर खबरों में दिखाया गया कि प्रांतीय परिषद की इमारत रात भर जलती रही। स्थानीय आपदा अधिकारी फदली ताहर ने बताया कि बचावकर्मियों ने शनिवार सुबह तक तीन शव बरामद किए, जबकि इमारत से कूदने के बाद

पांच लोगों को जलने या हड्डियां टूटने के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया। पश्चिमी जावा के बांडुंग शहर में प्रदर्शनकारियों ने शुक्रवार को एक क्षेत्रीय संसद को भी आग के हवाले कर दिया, लेकिन किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। इंडोनेशिया के दूसरे सबसे बड़े शहर सुरबाया में प्रदर्शनकारियों ने बाड़बंदी को नष्ट करने और वाहनों में आग लगाने के बाद क्षेत्रीय पुलिस मुख्यालय पर धावा बोल दिया। इंडोनेशिया की राजधानी में शनिवार को काफी हद तक शांति लौट आई, क्योंकि अधिकारियों ने जली हुई कारों और प्रदर्शनकारियों के गुस्से की चपेट में आए पुलिस कार्यालयों और बस स्थलों से मलबे को हटा दिया। जकार्ता में सोमवार को पांच दिन का विरोध प्रदर्शन शुरू हुआ। यह प्रदर्शन उन खबरों के बाद शुरू हुआ जिनमें कहा गया कि सभी 580 सांसदों को उनके वेतन के अलावा पांच करोड़ रुपिया (3,075 अमेरिकी डॉलर) का मासिक आवास भत्ता मिलता है। पिछले साल शुरू किया गया यह भत्ता जकार्ता के न्यूनतम वेतन से लगभग 10 गुना ज्यादा है।

> इंडोनेशिया की राजधानी में शनिवार को काफी हद तक शांति लौट आई, क्योंकि अधिकारियों ने जली हुई कारों और प्रदर्शनकारियों के गुस्से की चपेट में आए पुलिस कार्यालयों और बस स्थलों से मलबे को हटा दिया।

उमा भारती का दो टूक, पीओकेकी वापसी से ही भारत का मकसद पूरा

एजेंसी

भाजपा नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री उमा भारती ने कहा कि पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर को वापस लेना देश में हर किसी के मन में है और जब यह हो जाएगा, तो हमारा उद्देश्य पूरा हो जाएगा। एएनआई को दिए एक साक्षात्कार में उन्होंने कहा कि पाकिस्तान द्वारा आतंकवाद को प्रायोजित करने से उसका पतन होगा। ऑपरेशन सिंदूर और कुछ लोगों द्वारा सवाल उठाए जाने के बारे में पूछे जाने पर, उमा भारती ने कहा कि वह ऐसी टिप्पणियों का जवाब नहीं देना चाहतीं। उन्होंने कहा कि जो लोग सवाल उठाते हैं, वे देश को बदनाम करते हैं, राष्ट्रीय गौरव की समझ नहीं रखते और राजनीति में रहने के लायक नहीं हैं। उमा भारती ने कहा कि हमारा अंतिम लक्ष्य पीओके को पुनः प्राप्त करना है। पीओके वापस लेते ही हमारा उद्देश्य पूरा हो जाएगा... मैं उन लोगों को जवाब नहीं देना चाहता जो भारतीय सशस्त्र बलों की वीरता पर सवाल उठा रहे हैं... वे भारतीय सशस्त्र बलों का सम्मान करना नहीं जानते, और वे राजनीति करने के भी काबिल नहीं हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि हमारा उद्देश्य पीओके को वापस लेना है, और यह सबके मन में है। जब हम पीओके को वापस ले लेंगे, तो हमारा उद्देश्य पूरा हो जाएगा। पीओके राष्ट्र का अभिन्न अंग होना चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत लगातार पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद से लड़ता रहा है और उसे जड़ से उखाड़ फेंकेगा। उन्होंने आगे कहा कि और पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के इस पूरे मुद्दे का समाधान प्राकृतिक न्याय है। जब पाकिस्तान आतंकवाद के कारण तबाह हो जाएगा, तब उसे अपनी अक्ल ठिकाने आएगी। उमा भारती ने 1994 में संसद द्वारा पारित उस सर्वसम्मत प्रस्ताव का भी ज़िक्र किया, जिसमें घोषणा की गई थी कि पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है। भारत ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले, जिसमें 26 लोग मारे गए थे, के सैन्य जवाब में 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया। भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकवादी ढाँचों को निशाना बनाया और 100 से ज्यादा आतंकवादियों का सफाया कर दिया।

> पूर्व केंद्रीय मंत्री उमा भारती ने स्पष्ट किया कि पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर को वापस लेना भारत का अंतिम और सर्वसम्मत लक्ष्य है, जिसके पूरा होते ही राष्ट्र का मकसद सिद्ध होगा। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर पर सवाल उठाने वालों को राष्ट्रीय गौरव का अनादर करने वाला बताते हुए कहा कि ऐसे लोग राजनीति के योग्य नहीं हैं। भारती ने भारत का अभिन्न अंग बताया और पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद से उसके पतन की बात कही।

जम्मू-कश्मीर के रियासी में लैंडस्लाइड, 7 शव बरामद

पंजाब के 250 गांवों में बाढ़, 8 मौतें; गुजरात- हिम्मतनगर में 15 कारें डूबीं

> गुजरात के हिम्मत नगर में तेज बारिश के चलते 15 से ज्यादा कारें पानी में डूब गईं। उधर जम्मू-कश्मीर के कटरा में बारिश के कारण वैष्णो देवी यात्रा 5 दिन से रुकी है। 26 अगस्त को यात्रा रूट पर लैंडस्लाइड में 34 लोगों की मौत हुई थी। महाराष्ट्र के लातूर और नांदेड़ में 50 सड़कें-पुल डूब गए हैं।

एजेंसी

दिल्ली , जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले के बदर गांव में शनिवार सुबह लैंडस्लाइड हुई। मलबे से अब तक 7 शव बरामद किए गए हैं। यहां और भी लोगों के फंसे होने की आशंका है। वहीं, रामबन के राजगढ़ में बादल फटने से 4 लोगों की मौत हो गई। एक व्यक्ति लापता है। उसकी तलाश जारी है। हिमाचल प्रदेश में मंडी के गोहर में शुक्रवार देर रात बादल फटा था। नांडी

पंचायत में नसेंणी नाला में कई गाड़ियां बह गईं। शिमला के जतोग कैंट में लैंडस्लाइड हुई। सेना की रेसीडेंशियल बिल्डिंगों को खाली कराया गया। पंजाब के अमृतसर, पठानकोट समेत 8 जिलों में बाढ़ के हालात बने हैं। 250 से ज्यादा गांवों में 5 से 15 फीट तक पानी भरा हुआ है। बाढ़ में अब तक 8 लोगों की मौत हो गई है। 3 लोग लापता हैं।

फिरोजपुर से अब तक 3000 लोगों का रेस्क्यू

पंजाब के फिरोजपुर सतलुज नदी में उफान के कारण पंजाब का बड़ा इलाका बाढ़ की चपेट में है। फिरोजपुर जिले के करीब 100 गांव प्रभावित हैं। जिला प्रशासन, सेना, पुलिस लगातार रेस्क्यू में जुटे हैं।

प्रभावित इलाकों में गजनीवाला, कालूवाला, टेड़ीवाला, निहाला लवेरा, बग्गेवाला शामिल हैं। मलेरिया-डेंगू रोकथाम के लिए स्वास्थ्य विभाग की टीमें गनेशावाला, निहाला किल्चा, डोना मट्टर में दवा छिड़काव कर रही हैं।

कुरुक्षेत्र के कठवा में बाढ़ जैसे हालात

कुरुक्षेत्र में मारकंडा नदी खतरे के निशान पर है। इसका पानी कठवा गांव में घुस चुका है। यहां बाढ़ जैसे हालात हैं। सड़क और खेत पानी में डूबे हैं। सड़कों पर घुटनों तक पानी है। कठवा के अलावा गुमटी, पट्टी जामड़ा, मुगल माजरा, मलकपुर, कलसाना और तंगौर में प्रशासन ने अलर्ट जारी किया है।

पटना में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाः सीएम ने मॉडल अस्पताल का निरीक्षण कर दिए त्वरित निर्माण के निर्देश

> मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पटना सिटी के गुरू गोविंद सिंह सदर अस्पताल परिसर में निमार्णाधीन मॉडल अस्पताल का निरीक्षण किया। उन्होंने 100 बेड वाले इस पाँच मंजिला अस्पताल को जल्द पूर्ण कर आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध कराने का निर्देश दिया, जिससे क्षेत्र के लोगों को बेहतर उपचार मिल सके।

एजेंसी

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज पटना सिटी के गुरू गोविंद सिंह सदर अस्पताल परिसर में निमार्णाधीन मॉडल अस्पताल भवन का निरीक्षण किया और निर्माण कार्य जल्द से जल्द पूर्ण करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने निमार्णाधीन मॉडल अस्पताल के निर्माण कार्यों के बारे में विस्तृत जानकारी ली। इस दौरान अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि यह 100 बेड का पांच मंजिला मॉडल अस्पताल होगा, जिसमें मरीजों के इलाज की आधुनिक सुविधायें होंगी। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश देते हुये कहा कि इस मॉडल अस्पताल के भवन का निर्माण कार्य जल्द से जल्द पूर्ण कर इसे फंक्शनल करें। इस मॉडल अस्पताल भवन के छत पर सोलर प्लेट भी लगवायें। उन्होंने कहा कि मॉडल अस्पताल का निर्माण कार्य पूर्ण होने से इस क्षेत्र के लोगों को इलाज में काफी सहूलियत होगी।

घुसपैठियों के खिलाफ सीएम हिमंत बिस्वा का ताबड़तोड़ एक्शन जारी

> असम सीएम सरमा ने कहा कि, ये दोनों प्रक्रियाएं जारी हैं और जारी रहेंगी. मुख्यमंत्री ने आज सोशल मीडिया पर कहा, सीमा पर अप्रवासियों के खिलाफ अभियान जारी है. हाल ही में 33 अप्रवासियों को उनकी मातृभूमि बांग्लादेश वापस भेजा गया है. उन्होंने कहा, याद रखें, हमारी कड़ी मेहनत जारी है और आने वाले दिनों में यह लड़ाई और तेज होगी.

मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने साफ कर दिया कि, असम में घुसपैठियों के खिलाफ अभियान जारी है और जारी रहेगा.

एजेंसी

गुवाहाटीः असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने शनिवार को कहा कि असम पुलिस ने 33 घुसपैठियों को बांग्लादेश वापस भेज दिया है. शर्मा ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर इसकी पुष्टि की. उन्होंने एक्स पर लिखा, '33 नए घुसपैठियों को उनके मूल स्थान बांग्लादेश वापस भेज दिया गया है. मुख्यमंत्री ने कहा कि, सावधान रहें, हमारे कड़े प्रयास जारी हैं और ये आने वाले दिनों में और तेज होंगे. हिमंत बिस्वा ने कहा कि, असम में अप्रवासियों के खिलाफ अभियान जारी है और जारी रहेगा. उन्होंने कहा कि, कल लगभग 26 अप्रवासियों को

बांग्लादेश भेज दिया गया. उन्होंने हालांकि यह नहीं बताया कि घुसपैठियों को किस इलाके से वापस भेजा गया है लेकिन अधिकतर घुसपैठियों को श्रीभूमि जिले में भारत-बांग्लादेश सीमा के रास्ते वापस भेजा जा रहा है. मुख्यमंत्री ने इस सप्ताह की शुरूआत में कहा था कि पुलिस हर हफ्ते 70 से 100 घुसपैठियों को बांग्लादेश वापस भेज रही है. हाल के महीनों में 450 से अधिक कथित अवैध घुसपैठियों को वापस भेजा गया है. सरमा ने कहा है कि राज्य सरकार घुसपैठ-मुक्त असम के लिए प्रतिबद्ध है. बांग्लादेश में पिछले साल अशांति शुरू होने के बाद से सीमा सुरक्षा बल ने पूर्वोत्तर में 1,885 किलोमीटर लंबी भारत-बांग्लादेश सीमा पर चौकसी बढ़ा दी है. मुख्यमंत्री शनिवार को दिसपुर के लोक सेवा भवन में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे. उन्होंने कहा कि, सीमा पर लगातार धक्का-मुक्की हो रही है. उन्होंने आगे कहा कि, अप्रवासियों का प्रत्यावर्तन (वापस भेजने की प्रक्रिया) दो तरह से हो रहा है. एक है सीमा में प्रवेश करते ही उन्हें उनके देश वापस भेज दिया जाता है. दूसरा है 1971 के बाद आए लोगों की पहचान करना और उन्हें वापस भेजना. अमित शाह का असम दौरा मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के असम दौरे और एनडीए के विशाल पंचायत प्रतिनिधि सम्मेलन पर प्रतिक्रिया व्यक्त की।